वैदिक-हरयाणवी कोश

डॉ० जयनारायण कौशिक

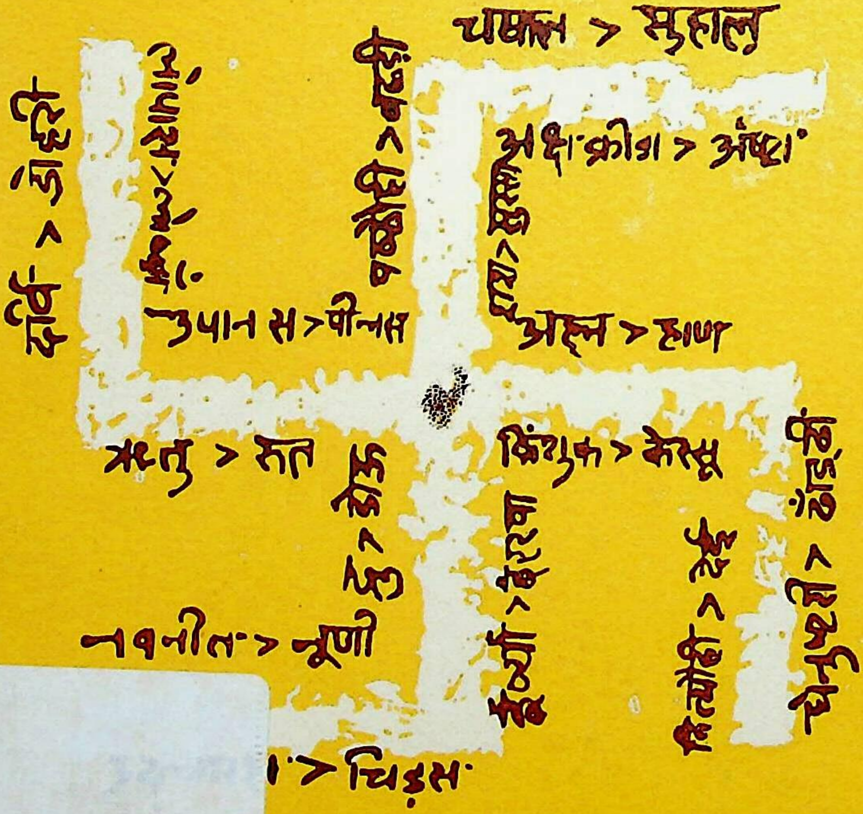
चषाल > सुहाल
ऋतु > रुत
किंशुक > केसू
नवनीत > नूणी
> चिड़स

सम्मति

डा० जयनारायण जी कौशिक का वैदिक हरयाणवी शब्दकोश अपने ढंग की एक नई चीज़ है। कोष जगत में विश्व की प्राचीनतम वैदिक भाषा को लेकर सीधे जनसाधारण की आधुनिकतम बोली के साथ मिलान करके दिखाने वाली यह पहली पुस्तक है। यद्यपि शब्द चयन में डा० सूर्यकान्त जी के वैदिक कोष की सहायता ली गई है परन्तु विचारकर देखा जाए तो कौशिक जी ने वास्तव में डा० सूर्यकान्त जी से एक और कदम आगे बढ़कर दिखाया है। साथ ही उनका सुझाव है कि "यदि भारत की सभी ग्रामीण बोलियों की शब्दावली का विश्लेषण इसी प्रकार वैदिक शब्दावली के सन्दर्भ में किया जाए तो ग्रामीण जनता में नया आत्मगौरव जाग्रत होगा।

हम आशा करते हैं कि हमारे देश के हर भाग में से ऐसे नवयुवक आगे आएँगे जो डा० जयनारायण जी के दिखाए हुए मार्ग पर चलकर अपनी अपनी प्रादेशिक भाषा को वैदिक भाषा के साथ जोड़कर दिखा सकेंगे।

स्थाणुदत्त शर्मा
एम० ए०, एम० ओ० एल०
(राष्ट्रपति सम्मानित आचार्य)
भू० पू० अध्यक्ष हस्तलिखित संग्रहालय
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हरि०

श्रद्धेय प्रो० सत्यव्रत शास्त्री
को सादर भेंट

महाशिवरात्रि
विक्रम सं० 2061

प्रो० जय नारायण कौशिक
पूर्व निदेशक, हरियाणा साहित्य अकादमी
बी-605, सरस्वती विहार दिल्ली-110034
दूरभाष 27014738, 27028095

वैदिक-हरयाणवी शब्दकोश

डा. जयनारायण कौशिक

संस्कृति चेतना प्रकाशन
ए-२१, सी० सी० कालोनी, दिल्ली ११०००७

© डा० जयनारायण कौशिक
१९८२

प्रथम संस्करण—११०० प्रतियाँ

मूल्य—पंद्रह रुपया

स्वत्वाधिकारी : श्रीमती सुशीला देवी गौड़ के लिए, संस्कृति चेतना प्रकाशन, ए-२१, सी. सी. कालोनी, दिल्ली-११०००७ द्वारा प्रकाशित।

मुद्रक : धर्मप्रैस, १०३ ए, कमला नगर, दिल्ली ११०००७

प्राप्ति स्थान : दिल्ली—सी ९०५, सरस्वती विहार, दिल्ली ११००३४
हरियाणा—२३/७३७, शक्तिनगर, रोहतक, हरियाणा-१२४००१

DR. JAI NARAIN KAUSHIK : VEDIC HARYANAVI SHABDA KOSH

स्नेहमयी माँ का पुण्य स्मृति में

मेरी बाल्यावस्था में ही बकुण्ठवास होने के कारण जिनकी धूमिल-धूमिल आकृति ही नेत्रों के सम्मुख आ पाती है।

चिन्तन

वेद-भूमि हरियाणा युगों से ऋषि-मुनियों तथा चिन्तकों की साधना-स्थली रही है। महाभारत काल तक यह देश की चिन्तन मनन की अजस्र धारा को परिप्लावित करती रही है। कुरुक्षेत्र के निकट ज्योतिसर नामक स्थान पर श्रीकृष्ण द्वारा अर्जुन को दिया गया गीताज्ञान संभवतः इस प्रकाश स्तम्भ से विकीर्ण अन्तिम पुंजीभूत प्रकाश था। ज्ञान का ऐसा प्रकाशपुंज गत पाँच हजार वर्ष व्यतीत हो जाने पर पुनः प्रकट नहीं हो सका।

महाभारत के युद्ध की विनाश लीला के बाद यह सम्भव भी कैसे हो सकता था। उस युद्ध में हमारी अनेक विद्याएँ, कलाएँ और न जाने क्या-क्या काल-कवलित हो गए। भारत की आर्थिक रीढ़ भी मानों टूट गई और शेष बचा द्वेष, वैमनस्य, ईर्ष्या, नित्य प्रति के पारिवारिक कलह, जिनका शमन आज तक नहीं हो पाया।

जाति-पाँति, ऊँच-नीच, अमीर-गरीब आदि के भेदभाव ने जन समाज को और भी जीर्ण-शीर्ण कर दिया किन्तु यहाँ का सहज और सरल भाव का समाज आज भी वैदिक काल की अनेकशः परम्पराएँ जाने-अनजाने में सँजोए हुए है।

विदेशी आक्रमणकारियों ने यहाँ अनेक विनाश किए किन्तु राज-लिप्सा, चाटुकारिता, दरबारी व्यामोह के आकर्षण से रहित यहाँ के सरल निवासी अपनी बोली में वैदिक काल के अनेक जगमग मुक्ता-मणि सँजोए हैं जिनकी आभा अभी भी ज्यों की त्यों है। वैदिक वाङ्मय के अध्येता इस तथ्य को सहज में अनुभव कर सकते हैं। गत समय लेखक को भी इस क्षेत्र में कुछ कार्य करने का अवसर मिला।

वैदिक भाषा के संदर्भ में हरयाणवी से संबंधित किए गए अपने स्वाध्याय से पाठकों को भी सहभागी बनाने के लिए इस कार्य को दो खंडों में विभाजित करके प्रस्तुत किया जा रहा है।

वैदिक-हरयणवी खंड

इस खंड में वैदिक शब्दावली तथा उसके पयार्यवाची हरयाणवी शब्द दिए गए हैं। वैदिक शब्दों के चयन का एकमात्र आधार डा० सूर्यकान्त जी का वैदिक कोश ही है। वैदिक शब्दों का हरयाणवी पर्यायवाची देते समय कुछ बातों का विशेष ध्यान रखा गया है। यथाः—

१. यदि शब्द की ध्वनि और उसका अर्थ आज की हरयाणवी के अत्यन्त निकट या कुछ प्रकारान्तर से भी है तो उसे निःसंकोच लिया गया है। यथा—अमृत-इमरत, ईक्षु-ईख, आल-आल आदि।

२. वैदिक शब्दों के आदि, मध्य तथा अन्त में स्वर, व्यंजन आदि के ह्रास तथा हरयाणवी भाषा के स्वर भक्ति के स्वभाव के कारण मूल शब्द से निर्मित घटत-बढ़त वाले शब्द भी यहाँ सम्मिलित किए गए हैं। जैसे—आषाढ़-साढ, अद्रि-दरी (लोहदरी), आकूति-कूतणा आदि।

३. कोश में ऐसे शब्द भी हैं जो वैदिक काल में विशेष संदर्भ में प्रयुक्त होते थे किन्तु परिस्थितियों के परिवर्तन के कारण उनमें अर्थ-व्याप्ति स्पष्ट दीख पड़ती है। उदाहरण के लिए 'यवागू' शब्द जौ की लपसी के लिए है। हरयाणवी में यह शब्द राबड़ी' के लिए निश्चित दीख पड़ता है, क्योंकि यह जौ की लप्सी ही है। दीर्घ कालान्तर के कारण राबड़ी बनाने की पद्धति में इसी प्रकार अन्तर आ गया है जैसे होली के बाद 'बासोहड़े' (बासी भोजन) की परम्परा बनाए रखने के लिए मेरी पत्नी ने इस वर्ष मीठे दलिए, चावल, पूड़े, गुल-गुले आदि के स्थान पर नाश्ते के साथ बासी कचौड़ियाँ खिला कर संभवतः सारे परिवार को शीतला माता के कोप भाजन से बचा लिया।

इसी प्रकार 'अक्तु' शब्द को लीजिए। अक्तु शब्द हविर्द्रव्य के लिए आया है। हरियाणे में पशुओं के रोग का शमन करने के लिए 'अखता' मनाया जाता है। अखते' की समाप्ति घर-घर में हविर्द्रव्य की सुगंधि से होती है।

४. कोश में ऐसे भी शब्द हैं जिन पर प्राकृत अपभ्रंश आदि के नियम स्पष्ट रूप से घटित होते दीख पड़ते हैं। जैसे-जामातृ-जमाई, शृंग-सींग, अनृत-अनरथ, कृसर-खीचड़ी।

५. पडवीस-पड़ौस (पाद पाश), धेना-धीणू (दुधारू गाय), पष्ठौही-बहडी (चार वर्ष जी आयु की गाय) आदि ऐसे अनेक शब्द कोश में सम्मिलित हैं जिनको हिन्दी कोशों में खोजें तो निराशा मात्र ही मिलेगी।

६. स्थान वाचक (पञ्चाल, खाण्डव), नाम वाचक (गालव, जैमिनी) आदि अनेक ऐसे शब्द भी यहाँ सम्मिलित किए गए हैं जिनका संबंध हरियाणे से होने के कारण आज भी वे जनमानस की वाणी पर हैं।

हरयाणवी-वैदिक खंड

इस खंड में हरयाणवी-वैदिक शब्दावली दी गई है जिससे कि सामान्य जिज्ञासु हरयाणवी शब्दों का वैदिक पर्यायवाची सुगमता से देख सकें।

परिशिष्ट

परिशिष्ट में वैदिक तथा हरयाणवी के बीच उच्चारण संबंधी भेदों-उपभेदों को सोदाहरण दिया गया है। यह आवश्यक नहीं कि ये उच्चारण-भेद प्राकृत, अपभ्रंश आदि के उच्चारण नियमों से मेल खाएँ। एक ही शब्द में कई उच्चारण भेद हैं इसलिए एक ही शब्द को कई स्थानों पर दर्शाया गया है। दर्शाए गए उदाहरणों को भी आगे सूक्ष्म भेदों में बाँटा जा सकता था और उच्चारण भेद के कारण भी स्पष्ट किए जा सकते थे लेकिन लेखक की सीमाओं के कारण यह इस समय संभव नहीं हो पाया।

यदि भारत की सभी ग्रामीण बोलियों की शब्दावली का विश्लेषण इसी प्रकार वैदिक शब्दावली के संदर्भ में किया जाए तो निश्चित रूप से अनेक गुप्त और सुप्त सूत्र स्वतः अनकही कहानी कहेंगे। ऐसे कार्यों से देश की ग्रामीण जनता में नया आत्मगौरव जाग्रत होगा।

वर्तमान कार्य वैदिक भाषा, संस्कृत भाषा तथा हिन्दी शिक्षण के कार्य में निश्चित रूप से सहायक सिद्ध होगा। शिक्षा शास्त्री अपनी आवश्यकतानुसार इसका उपयोग शोध, संदर्भ तथा शिक्षण कार्य में कर सकते हैं।

कोश को प्रैस में देने से पूर्व चारों वेदों के भाष्यकार, व्याकरणाचार्य श्री पं. श्रीकण्ठ शास्त्री जी ने इसे आद्योपान्त पढ़ कर जो जो महत्त्वपूर्ण सुझाव दिए उनका समावेश भी इसमें कर लिया गया है। कोश कार्य पूरा करने में मेरी धर्मपत्नी श्रीमती विमला कौशिक एम० ए०, का सहयोग भी प्रशंसनीय है। कोश के प्रकाशन में मेरे अग्रज श्री रामजीवन कौशिक तथा अनुज रामनारायण कौशिक का भ्रात्रोचित योगदान प्राप्त हुआ है। इस कार्य को संपन्न करने में श्री पं. स्थाणुदत्त जी शास्त्री का शुभाशीर्वाद भी मुझे प्राप्त हुआ है।

लेखक का निवेदन है कि विद्वत्-जन इस कार्य का अवलोकन करें और इसमें सुधार के लिए अपने मूल्यवान विचार भेजकर कृतार्थ करें।

आश्विन नवरात्र सप्तमी
विक्रम सं० २०३८
(श्रद्धामयी माँ द्राक्षा देवी की
चालीसवीं पुण्यतिथि)

डा० जयनारायण कौशिक
सी-६०५, भारती भवन
सरस्वती विहार
दिल्ली-११००३४

लेखक के अन्य कार्य

प्रकाशित

1. Basic Hindi Vocabulary.
लिपि प्रकाशन, १. दरियागंज नई दिल्ली ११०००२.
२. माटी का मोल (भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत उपन्यास)
नेशनल पब्लिशिंग हाउस, २३ दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२.
३. हिन्दी-हरयाणवी उच्चारण भेद
राजेश प्रकाशन, कृष्णनगर, दिल्ली ११००५१.
४. हरयाणवी प्रत्यय कोश
राजेश प्रकाशन, कृष्णनगर, दिल्ली ११००५१.
५. श्रुतलेख शब्दावली
विस्तार सेवा केन्द्र, राजकीय सह शिक्षा शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२.
6. Consolidated Basic Hindi Vocabulary (Co-author)
नेशनल पब्लिशिंग हाउस, २३, दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२.

अप्रकाशित

१. हरयाणवी हिन्दी शब्दकोश ।
२. हरयाणवी-संस्कृत शब्दकोश ।
३ श्रुतलेखन ।
४. नई किरण (उपन्यास) ।
५. बिना सिर का भूत (कहानी संग्रह) ।
६. पुत्र-वधू (एकांकी) ।
७. हरयाणा लोक गीत संग्रह ।
८. हिन्दी शिक्षण ।
९. अंकों की आत्म कथा ।
१०. तीन तिलंगे (उपन्यास) ।

वंश-परिचय

निकास—

मूल निकास—गौड़ बंगाला - पहला निकास विश्वामित्र और वसिष्ठ ऋषि के युद्धकाल में तथा दूसरा जनमेजय के नागयज्ञ के समय, क्योंकि कौशिक ब्राह्मणों को सर्प विद्या का ज्ञान था अतः जनमेजय ने कौशिक कुल के ब्राह्मणों को आमन्त्रित किया ।

राजस्थान के फटिक गाँव में स्थायी निवास के कारण कौशिक फटवाड़िया कहलाए । रींगस के निकट खाटू खंडेले में खाटू के श्याम जी कुल देवता हुए । फटिक गाँव से दुबलधन माजरा (रोहतक हरियाणा)

के लिए प्रस्थान । लगभग २५० वर्ष पूर्व कुल-प्रमुख पंडित द्वारकाप्रसाद, काद्यान गोत्र के जाटों के अनुरोध पर यजमानी के लिए जहाँगीरपुर (झज्झर-रोहतक) हरियाणा में आ बसे ।

अब से लगभग तीस वर्ष पूर्व दिल्ली में निवास ।

वेद—यजुर्वेद, शाखा—माध्यन्दिनी, प्रवर - अत्रि, ब्राह्मण—आदि गौड़, गौत्र—कौशिक, अल्ल—फटवाड़िया, कुलदेवता—खाटू श्याम (बभ्रूवाहन)

वंश-वृक्ष

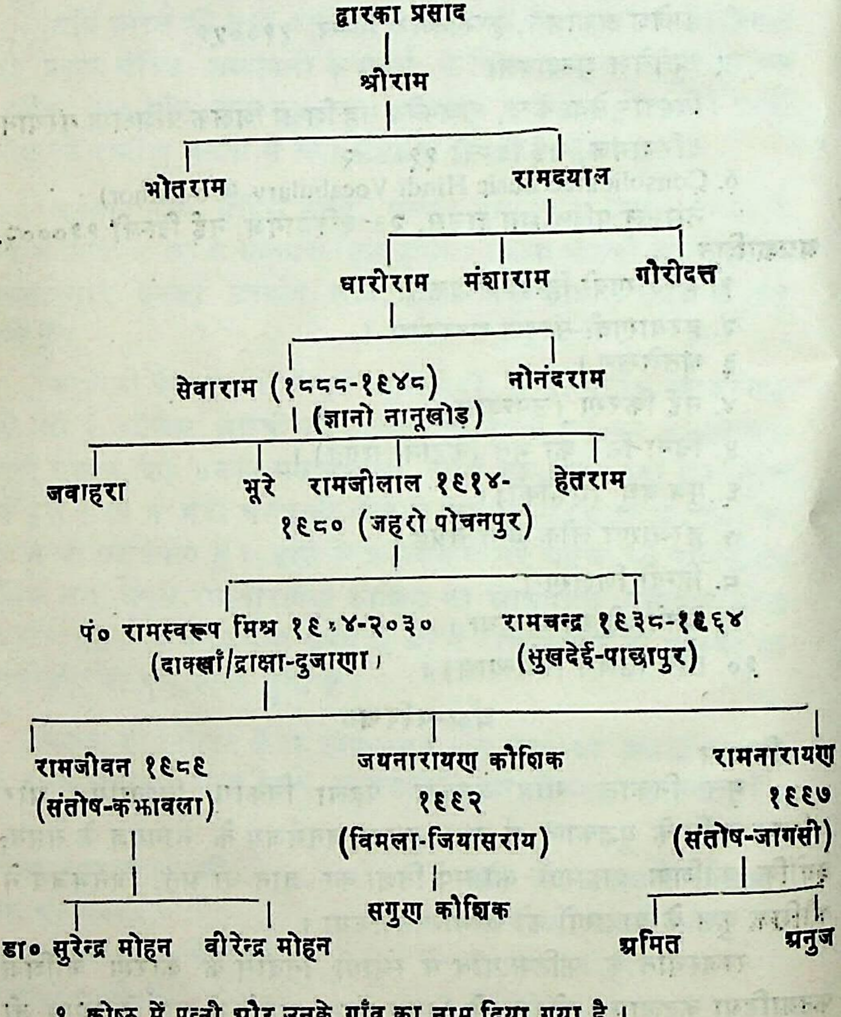
द्वारका प्रसाद
श्रीराम
भोतराम
रामदयाल
धारीराम
मंशाराम
गौरीदत्त
सेवाराम (१८८८-१९४८)
(ज्ञानो नानूखोड़)
नोनंदराम
जवाहरा
भूरे
रामजीलाल १९१४-१९८० (जहरो पोचनपुर)
हेतराम
पं० रामस्वरूप मिश्र १९५४-२०३०
(दाक्खाँ/द्राक्षा-दुजाणा)
रामचन्द्र १९३८-१९६४
(सुखदेई-पाछापुर)
रामजीवन १९८९
(संतोष-कंझावला)
जयनारायण कौशिक
१९९२
(विमला-जियासराय)
रामनारायण
१९९७
(संतोष-जागसी)
डा० सुरेन्द्र मोहन
वीरेन्द्र मोहन
सगुण कौशिक
अमित
अनुज

१. कोष्ठ में पत्नी और उनके गाँव का नाम दिया गया है ।

२. जन्म तिथि विक्रमी संवत् के अनुसार है ।

श्री गणेशाय नमः

वैदिक-हरयाणवी कोश

वैदिक-हरयाणवी खण्ड

अक्तु	अखता । हविर्द्रव्य । (पशुओं को संक्रामक रोग से बचाने के लिए किया जाने वाला एक धार्मिक कृत्य जिसमें हविर्द्रव्य से रात्रि के समय घरों की शुद्धि की जाती है।)
अक्ष	अस्टा । अक्ष । क्रीड़ा पास ।
अक्षर	आखर । वर्ण । लेख ।
अगार	अगड़ । गृह । बगड़ का पूर्ववर्ती शब्द-खंड ।
अग्नि	अगन । आग ।
अङ्क	आँक । बाँक ।
अङ्कुश	अंकुस । एक आयुध ।
अङ्गुरि	आँगल़ी । १. एक माप । २. अंगुलि ।
अङ्गुलि	दे० अंगुरि ।
अङ्गुष्ठ	गूंट्ठा । १. अंगूठा । २. एक माप विशेष ।
अज	अझा । बकरी ।
अजगर	ईजगर । भीमकाय सर्प ।
अतिष्कद्वरी	स्याह्‌री । सिहारी । अतिकुलटा ।
अत्रि	अतरी । १. एक ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
अदृष्ट	अदीठ । दिखाई न देने वाला (फोड़ा) ।
अद्रि	दरी । लोहदरी । एक अस्त्र ।
अधिषवण	घसणा । घिसना ।
अध्वन	दगड़ा । मार्ग । पगडंडी ।
अनड्वाह्	नारड़ा । नारिया । नई आयु का बैल । (इसी ध्वनिसाम्यता पर ऊँट के बच्चेको 'टारड़ा' कहते हैं) लो०नारड़ा अर टारड़ा चाल़ीस दिन की चराई चाहवै सै ।'
अनस्	दे० उपानस ।
अनीक	अणी । बाण आदि का अग्र भाग ।
अनृत	अनरथ । बड़ा पाप ।
अन्तरात्मा	अनतर आतमां । भीतरल' मन । अंतरात्मा ।
अपराह्ण	ह्राण । विलंब ।
अपालम्ब	उल़ाल़्वा । अड़सल्ला ।

अपूप	पूड़ा । पूआ ।
अप्वा	अफारा ।
अप्सरस्	अफसरा । अप्सरा ।
अभिषेक	अभिसेक । राज्याभिषेक ।
अभ्यञ्जन	अंजन। आँख का सुरमा ।
अभ्र	अब्र । बादल ।
अभ्री	भँभीरी । अभ्रि-बाँस ।
अमला	आमला । आँवल़ा ।
अमावस्या	मावस । कृष्ण पक्ष की अंतिम तिथि ।
अमृत	इमरत । सुधा ।
अम्बा	अमवा । १. माता । २. देवी । दुर्गा ।
आरणी	आरणा । उपले का बालन ।
अरण्य	अरन या अरण । जंगल ।
अरुण	अरुण । एक देवता का नाम ।
अर्क	आख । आखटा । आक ।
अर्गल	अरल़ । अरल़ी । काष्ठ या लोहे की अर्गला ।
अवस्	पिन्नस । एक वाहन ।
अश्वत्थ	असवथ । पीपल ।
अश्वमेघ	अश्वमेघ । अश्वमेघी यज्ञ ।
अश्ववार	सरवा । नरकट । सरोल ।
अश्ववाल	सरोल़ । दे० अश्ववार ।
अष्ट्रा	साँट्टा । पैंनी ।
अस्थि	हड्डी ।
अह्न	हाण । १. समय । २. विलंब ।
अहि	अह । पाताल ।
आकूति	कूत । कूतणा । १. अभिप्राय । २. अनुमान
आखर	खोर । खुरली ।
आग्रहायण	अगहन (सीमित प्रयोग) ।

आञ्जन	अंजन ।
आन्त्र	आंत । अंतड़ी ।
आमलक	आँमल़ा । आँवला ।
आमिक्षा	छाः । छाछ । सीत ।
आयुत	अताया । घी ।
आर्य	आरिया । १. श्रेष्ठ । आर्य-जाति ।
आल	आल़ । कच्चा प्याज । प्याज की पौध ।
आलम्बायन	आलंबायण । १.एकगोत्र । २. एक ऋषि ।
आशा	आस । अभिलाषा ।
आशिष्	असीस । आशीर्वाद ।
आश्रम	आसरम । आश्रम ।
आषाढ	साढ । आषाढ़ का महीना ।
आष्ट्रा	साँट्टा । पैंनी ।
आसन्दी	आस्सण । आसन ।
आस	आस । पहली बार उगे मूँछ के बाल ।
आस्तरण	अस्तर । आसन ।
आहनस्या	स्याहरी या सिहारी । व्यभिचारिणी । कुलटा ।
इक्षु	ईंख । ईख ।
इध्म	ईंधण । ईंधन ।
इन्द्र	इनदर । वर्षा के देवता ।
इन्द्राणी	इनदराणी । इंद्र की पत्नी ।
इन्द्रिय	इनदरी । जननेंद्रिय ।
इषीका	सिलम । जुए में लगाई जाने वाली कीली ।
इषुकृत	खात्ती । खाती ।
इष्टका	ईंट ।
ईर्ष्या	ईरखा । ईर्ष्या ।
ईश्वर	इसवर । ईश्वर ।

ईषा	इखा । फड़ । वाहन का भारवाहक दंड ।
उच्छीर्षक	छींक्का । छींका ।
उडुप	डूंड्डा । नाव ।
उत्तम्भन	उलालवा अवलंबन ।
उत्तरायण	उतरायण ।
उत्स	सोत । स्रोत ।
उत्सव	उत्सव । मेला ।
उदकमण्डलु	कमंडल । कमंडल ।
उदकुम्भ	कुल्हड़ । कुल्लहाँ ।
उदचमस	चिड़स । १. चरसा । २. चमचा । सरोहा ।
उद चन	चम्मच । चमचा ।
उदर	उदर । गर्भ । पेट ।
उदस्थाली	थाली । थाली ।
उदुम्बर	गूल्लर । गूलर ।
उदोदन	ओदन ।
उद्दालक	उद्दालक । एक ऋषि ।
उद्र	ऊदबिला । ऊदबिलाव ।
उद्धि	(वाहन का) ऊंटड़ा ।
उपदीका	डीम्मक । दीमक ।
उपाधि	परधी । प्रधी । रथ चक्र का एक भाग ।
उपबर्हण	बरुण । विष्टर ।
उपमन्थी	मथाणी । रई । मथानी ।
उपमन्यु	उपमन्यु । एक ऋषि ।
उपस्तरण	अस्तर ।
उपानस	पीन्नस । पिन्नस । एक वाहन ।
उपानह	उपानह । जता ।
उरस	उर । हृदय ।
उरा	उरही । भेसा ।
उरुक	उरल । उल्लू ।
उर्वशी	उरवंसी । देवलोक की एक सुंदर नर्तकी ।
उलूक	उल्लू ।
उलूखल	ऊक्खल । ओखली ।
उषस्	ऊखाँ । उषा ।
उष्ट्र	ऊंट ।
ऊर्णा	ऊन ।
ऊषर	ऊसर । बंजर भूमि ।
ऋक्ष	रींछ ।
ऋग्वेद	रिग बेद । ऋग्वेद ।
ऋण	रिण । कर्ज । ऋण ।
ऋतु	रितु । रुत । ऋतु ।
ऋषि	रिसी । ऋषि ।
एकाष्टका	पाठोहड़ा । आठ दिन का समय ।
एरण्ड	परंड ।
ऐरावत	अहरावत । एक हाथी ।
ओम्	ओम । भगवान । ईश्वर ।
ओगणी	ओगणी । विपरित आचरण वाला ।
ओजस्	ओज । १. शक्ति २. प्रकाश
ओषधि	ओखधी । १. औषध । दवाई २. वनस्पति ।
कंस	कांस्सी । कांसी एक धातु विशेष ।
ककुद	कूब । कूबड़ । टांट । वृषभ की पीठ पर उठा डेला ।
कक्ष	कूक्खी । १. स्त्री का गुप्तांग । २. काख ।
कण्ठ	कंठ । १. गला । २. स्वर ।
कण्व	कणव । एक ऋषि ।
कथा	कथा । १. दार्शनिक चर्चा । २. कहानी ।

कन्या	कन्या । १. अविवाहिता । २. अल्प वयस्क लड़की ।
कपाल	कपाल़ । सिर का खोखला भाग ।
कपि	कपी । बंदर ।
कपिल	एक ऋषि ।
कपोत	कबूत्तर । क़बूतर ।
कफोड़	कनफेड़ ।
कबन्ध	कबंध । सिर रहित घड़ ।
कमण्डलु	कमंडल ।
कमल	कमल ।
कम्बल	काम्बल़ । कंबल़ ।
करीर	कैर । करील ।
करीष	करसी । सूखा गोबर। उपले का अंश ।
करूकर	कारूरा । मूत्र ।
कर्कन्धु	काकड़ा । बेर । लो० काल़ काकड़ा समय पीह्ल ।
कर्षू	खूड ।
कलश	कल़स । पवित्र घट ।
कला	कली । चंद्रमा का एक अंश ।
कलि	कल़जुग । कलियुग ।
कल्प	कलप । दीर्घ काल खंड ।
कल्याण	कल्याण । भला ।
कवच	कवच । वक्षःस्थल रक्षक ।
कवि	कवी । कविता रचने वाला।
कशा	कोड़ा ।
कशिपु	काँस । पानी का एक घास ।
कश्यप	कछुआ ।
कश्यप	कस्यप १. एक ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
कस्तम्भी	कक्खी । गाड़ी की टेक ।

काकुद	काग । तालू ।
काण्ड	गाँठ । पोरी ।
कात्यायनी	कत्याणी । एक देवी ।
काम	काम देवता ।
कार	घुड़दौड़ (महत्त्वपूर्ण कार्य । उदा० के तने न्यारी कार कर ली) ।
कार्तिक	कातिक । कातक । कार्तिक मास ।
काल	काल़ । गाल़ । १. समय । २. मौत ।
काश	कास । एक जल-घास ।
कास्	खाँस्सी । खाँसी ।
किंशुक	केस्सू । टेस्सू । पलाश वृक्ष।
किरात	किरात । एक जाति ।
किलास	कल़ासिया । काला-चितकबरा (बैल) ।
कीकट	कीक्कर । कीकर ।
कीट	कीड़ा ।
कीर्ति	कीरती । यश ।
कीलाल	(संभवतः) राल (एक मीठा पदार्थ)। तुल० लाट या लाटा । राला ।
कुक्षि	कोक्खी (कोख) । १. स्त्री का गुप्तांग । २. गर्भ । पेट ।
कुटरू	गुटरू । कबूतर ।
कुण्ड	कूंड । बड़ा गहरा बर्तन ।
कुबेर	कुबेर । घन के देवता ।
कुमार	कुमार । पुत्र । लड़का ।
कुरीर	खुरैह्ला । खुरेरा ।
कुरू	कोरू । कौरव ।
कुरूक्षेत्र	कुलछेतर । कुरुक्षेत्र ।
कुर्कुर	कूर कूर । कुत्ता ।

कुलिश	कुहाड़ी । कुल्हाड़ी ।
कुल्या	खालवा । १. खाल । २. बरसाती नाला ।
कुश	कुश । डाभ । कुशा ।
कुशिक	दे० कौशिक ।
कुष्ठ	कोढ़ ।
कूचक्र	चकरी । कूए की चक्री । घिरड़ी । चक्री ।
कूप	कूआ । कुआँ ।
कूर्च	कूँच या कोंच की फली ।
कृकलास	किरलकाँट । किरलकाट । गिरगिट ।
कृति	कटारी ।
कृत्तिका	किरतका । एक नक्षत्र विशेष ।
कृत्या	करतूत ।
कृषि	किरसी । खेती ।
कृष्टि	खेतीहर । खेतिहर ।
कृष्ण	किसण । श्रीकृष्ण ।
कृष्ण	किरसण । काला ।
कृसर	खीचड़ी । खिचड़ी ।
केतु	केत्तु । राहू का साथी ।
केवट	लेट । लेटड़ा । लेटड़ी । जोहड़ी । गर्त ।
केश	केस । सिर के बाल ।
कोक	कोक । एक पक्षी । चकवा ।
कोकिल	कोल । कोयल ।
कौण्डिन्य	कोंडिल । १. एक ब्राह्मण गोत्र । २. एक ऋषि ।
कौत्स	कोतस । एक ब्राह्मण गोत्र ।
कौरव	कोरू । कुरू के पुत्र ।
कौरू पञ्चाल	कोरू-पंचाल । कौरव । पंचाल ।

कौलाल	कुलाल । शराब वेचने वाला ।
कौशिक	कोसिक । १. एक ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
क्रोश	कोस । दूरी विशेष ।
क्रोष्टु	गादड़ । गीदड़ ।
क्रौंच	करोंच । कुंज । जल-चर पक्षी ।
क्षण	छन । छण । क्षण ।
क्षत्रिय	छतरी । खतरी । क्षत्रिय ।
क्षीर	खीर । १. दूध । २. खीर-पदार्थ ।
क्षुर	खुर । पशु का खुर ।
क्षेत्र	खेत । १. कृषि-भूमि । २. रण-भूमि ।
क्षेम	छेम । भलाई । कुशलक्षेम ।
क्षोणी	छोहणी । सज्जायुक्त सेना ।
क्षणोत्र	साण । शाण ।
खदिर	खैर वृक्ष ।
खनित्र	खुदाली । कुदाली ।
खर	खर । गधा ।
खर्जूर	खजूर । खिजूर ।
खल	खलिहाण । खलिहान ।
खाण्डव	खाँडू । एक स्थान विशेष ।
खारी	खारी । चारा मापने का टोकरा ।
गङ्गा	गंगा जी । पवित्र नदी ।
गज	गज । हाथी ।
गण	गण । झुंड । समूह ।
गति	गती । मुक्ति ।
गन्धार	गंधार । स्थान विशेष ।
गर	गरल । गरल । विष ।
गरुड़	गरड़ । नीलकंठ ।
गर्ग	[illegible] । १. एक ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।

गर्त	गाड्डी । गाड़ी ।
गर्तारूह	गडवाला । वाहक । गाड़ीवान ।
गर्दभ	गधा ।
गर्भ	गरभ । पेट ।
गवय	गा । गाय ।
गवींनी	गोहरण । मूत्राशय के पार्श्व ।
गाङ्ग्य	गंगे । हर गंगे । गंगातटीय पंडा ।
गाथा	गात्था । कथा । लंबी कथा।
गान	गान ।
गायत्री	गायतरी । गायत्री मंत्र ।
गालव	गालव । १. एक ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
गिर	गिरा । वाणी ।
गिरि	गिर । गिरी । पर्वत ।
गुग्गुलु	गूगल । गूगल ।
गुहा	गुफा ।
गृध्र	गिध । गिद्ध ।
गृष्टि	खारकी (गाय) । पहली बार जनन करने वाली गाय ।
गृह	घर ।
गो	गो गा । गाय ।
गोत्र	गोत । गोत्र ।
गोधूम	गोहूँ । गेहूँ ।
गोपाल	गुपाल । गोपाल ।
गोष्ठ	गितवाड़ । पशु बांधने का स्थान ।
गोतम	गोतम । १. एक ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
गौर	गोरी [गाय] । गोरी गाय ।
ग्रह	गिरह । ग्रह ।

ग्राम	गाम । गाँव ।
ग्रामिन्	गामोल्ली । अपने गाँव का ।
ग्रारा	गरंड ।
ग्रीष्म	गरमी । ग्रीष्म ऋतु ।
घन	घण । मुगदर ।
घर्म	घाम । धूप । घमौरी ।
घास	घास ।
घृत	घी ।
घृत कौशिक	घिरत कोसिक । एक ब्राह्मण गोत्र ।
घोष	घोस । स्वर । नाद ।
चक्र	चक्कर । पहिया ।
चक्रवाक	चकवा ।
चक्षुस्	चकसू । नेत्र ।
चण्डातक	चंदेवा । चंदोवा ।
चण्डाल	चिण्डाल । चाण्डाल ।
चतुष्पद	चुपाया । पशु ।
चनस्	चणा । चना ।
चन्द्र	चदरमा । चाँद ।
चन्द्रमस्	चनदरमा । चाँद ।
चरक	चरक । एक ऋषि ।
चस	चरवा ।
चर्मन्	चाम । चर्म ।
चषाल	सुहाल । मंदे से बनी सुहाली ।
चाण्डाल	चिडाल । चांडाल ।
चातुर्मास्य	चमास्सा । चौमासा । व ऋतु का काल ।
चित्ररथ	चित्तर रथ । एक प्रतापी राजा ।
चित्रा	चितरा । एक नक्षत्र ।
चूर्ण	चूरण । चूरा ।
चेतन	चेतन । जीवंत ।

चैत्र	चैत । चैत्र महीना ।
चोर	चोर ।
च्यवन	चिमन ऋषि । च्यवन ।
छाग	छाग्गल । मशक ।
जगती	जगत ।
जघन	जाँघ । जंघा ।
जंघा	जाँघ ।
जठर	जठर । पेट ।
जत्रु	जाथर । बोझ उठाने की क्षमता । ग्रीवावर्ती तरुण अस्थि ।
जनक	जनक । राजा जनक ।
जनता	जन्ता । जनता ।
जनमेजय	जनमेजय । एक राजा ।
जनी	जणी । स्त्रियों का समूह ।
जन्तु	जंतु । जीव-जंतु ।
जय	जय ।
जमद्-अग्नि	जमदग्नी । १. एक ऋषि २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
जरायु	जेरज ।
जर्तिल	तिल ।
जग्र	झख । मछली ।
जाति	जात । १. जाति । २. वर्ण ।
जामातृ	जमाई ।
जार	जार । अवैध प्रेमी ।
जैमिनी	जैमनी । १. एक वैदिक ऋषि । एक ब्राह्मण गोत्र ।
झष	झख । मछली ।
तक्मन्	तेइया (ताप) । ज्वर ।
तक्षन्	तरखाण । बढ़ई ।
तण्डुल	तंडुल । चावल ।
तन्ति	जतणी । बालों को गूंथ कर बनाई गई रस्सी ।

तन्तु	ताग्गा । धागा ।
तर्कु	ताक्कू । तकवा ।
तष्ट्र	तरखाण । बढ़ई ।
तसर	तसर । एक वस्त्र विशेष ।
तापस	तपस्वी ।
तावुव	तबीज । जहर मोरा ।
तार्प्यं	तप्पड़ । एक वस्त्र ।
तित्तिर	तीत्तर (पक्षी) ।
तिल	तिल ।
तीर्थं	तीरथ । तीर्थं ।
तुग्र	तिगाला ? (इंद्रका शत्रु) ।
तुला	तराज्जू । ताखड़ी । तराजू ।
तुष	तुस । धान की भूसी ।
तूणव	तूंवा । एक वाद्य यंत्र ।
तूष	अडूस्सा ? वस्त्र का अंचल ।
तृण	तिणका । तृण ।
तृतीयक	तेइया । ताप ।
तेजन	जेवड़ी । एक नाप विशेष । जरीब ।
तेजनी	नेज्जा ? नरकट । दे० तन्ति
तैल	तेल ।
तोक	टाब्बर । पुत्र । संतान ।
तोत्त्र	ट्योंट । सोट । सोट्टा । सोटा ।
त्रिशंकु	तिरसंकू । आकाश में लटका एक राजा ।
त्रेता	तरेत्ता । त्रेता युग ।
त्वष्टृ	तरखाण । खाती । बढ़ई ।
दंश	डंक ।
दंष्ट्र	डंक ।
दक्षिण	दक्खन । दक्षिण ।
दक्षिणा	दिछणा । दक्षणा ।
दक्षिणायन	दिछणायण । दक्षिणायन ।

दण्ड	डंडा ।
दण्ड	डंड । दंड ।
दण्ड	डंड । राजदंड ।
दधि	दही ।
दन्त	दांत ।
दम	अगड़-दम । घर ।
दर्भ	डाभ । एक नुकीली घास ।
दर्वि	डोहरी । सुवा ।
दशन्	दस्से या दस्हे ? एक जाति ।
दशमास्य	दसमासिया ।
दशा	डस । रस्सी की झालर ।
दस्यु	डाकू ।
दातृ	दात्ता । दाता ।
दात्र	दरांत्ती । दांत्ती । दांती ।
दान	दान । १. उपहार । २. दहेज ।
दान	दान । बांटना ।
दामन्	घावण । अदवायन । पायत । रस्सी ।
दार	दारा । पत्नी ।
दाव	दा । अग्नि ।
दास	दास । सेवक ।
दित्योही	देई (गाय) । देवी गाय (इसका दूध बिलोया नहीं जाता) ।
दिधिषु	दुहेज्जू । दूसरे विवाह का इच्छुक ।
दिश्	दिसा । दिशा ।
दीन	दीन । दरिद्र ।
दीव	दा । दाव । अक्ष क्रीड़ा ।
दुधा	दुधारू ।
दुर्वराह	बराह । जंगली सूअर ।
दुहितृ	धेवती । पुत्री की पुत्री ।

दूत	दूत । संदेशवाहक ।
दूर्वा	दूब ।
दूर्श	दुसाल्ला ? दुशाला ।
दूषीका	ढीढ । नेत्रमल ।
दृबा	ढभोली । १. दर्भ । २. दर्भ की चटाई ।
दृषद्	दरड़णे या दलने वाली (चक्की) ।
देवता	देवता । पूज्य देव ।
देवलोक	देवलोक ।
देवी	देव्वी । देवी ।
देवृ	देवर ।
देश	देस । जन्मभूमि ।
दोह	दूहणा । दोहना ।
द्रप्स	टोप्पा । टपका । पतास्सा सी बूंद । मोटी बूंद ।
द्रविण	धन ।
द्रु	डोऊ । लकड़ी का चम्मच ।
द्रु-घण	घण । लकड़ी का घन या मुगदर ।
द्रोण	दोन्ना । डोन्ना । डोना
द्वादश	बाराह् । बारह ।
द्वापर	दवापर । द्वापर युग ।
द्वार	दवार । दरवाजा ।
द्विपाद	दुपाया (मनुष्य) ।
द्वीप	दीप । टापू ।
धन	धन । संपत्ति ।
धनुष	धनुस ।
धमनि	धौंकणी । फूंकनी ।
धर्म	धरम । धर्म ।
धाना:	धाणी । भुना अन्न ।
धान्य	धान । बिना निकले चावल ।

धामन्	धाम (यथा-दहीधाम)। देखी धाम।
धारा	धार। जल धारा।
धी	धी। मति।
धीवन्	झीम्मर। धींवर।
धुर	धुरी (जुए की)।
धूप	धूप बत्ती।
धूम	धूम्मा। धुआँ।
धूमकेतु	धूम केतु। पुच्छल तारा।
धृतराष्ट्र	धिरत रास्टर। एक राजा।
धेना	धीणू। दूध देने वाली गाय।
धेनु	दे० धेना।
धेनुष्टरी	ढांड्ढी। वह गाय जो दूध से सूख गई हो।
धैवर	झीम्मर। धींवर।
ध्रुव	धरू। १. ध्रुव तारा। २. ध्रुवभक्त
ध्वज	धजा। ध्वजा।
ध्वंसि	धांस। क्षुद्र अंश।
नकुल	न्योल्। नेवला।
नक्षत्र	नछत्तर। १. तारा। २. भाग्य।
नख	नुँह। नाखून।
नगर	नगर। बस्ती।
नड	नरसल।
नदी	नदी।
ननादृ	नणदी। नणद। ननद।
नपात्	पोता। पौत्र।
नभ्य	नाप। नाभ। नाभ्भी। सूँडी।
नर	नर। १. मनुष्य। २. मादा का पुंलिंग।
नरक	नरक।
नवनीत	नूणी। मक्खन।
नाग	नाग।
नाडी	नाड़ी। रथ चक्र।
नाडी	नाड़ी। रक्त वाहिनी शिरा।
नापित	नाई।
नाभि	नाप। नाफ। सूंडी।
नाभि	नाभ्भी। पहिए का मध्य भाग।
नामन्	नाँ। नाम।
नारायण	नारायण। परम पुरुष।
नारी	नारी। स्त्री।
नावा	ना। नाव।
नाव्या	नाइया। नाविक।
निधि	निधी। कोश। संपत्ति।
निपाद	पाट्टे। नीची भूमि।
निमेष	निमेख। पलक झपकने का समय।
निवान्या	निवाणी। न्याणी। वह पशु जिसका बच्चा मरने पर खल-बच्चा दिखाकर दूध निकाला जाए।
निषाद	निसाद। एक जंगली जाति।
निष्काम	निसकाम। आसक्ति रहित कार्य।
नीड	नाड। गाड़ी में गाड़ीवान के बैठने का स्थान।
नील ग्रीव	लीलकंठ। नीलकंठ।
नीवि	नीवी। १. नाड़ा। २. न्यौली।
नीहार	कोहड़ा। कोहरा।

नृति	रथोंड्डी। तुल० बीजोंड्ढी। बीज रखने की थैली।
नृतू	नचणवी। नर्तकी।
नौ	ना। नाव।
न्य	नाक्की। गाड़ी का एक भाग विशेष।
न्याय	न्या। न्याव। न्याय।
पक्ति	पकावा। पकाने वाला।
पक्व	पाक्या। पक्का। पका हुआ।
पक्ष	पकस। एक किनारा।
पक्षिन्	पंछी। पक्षी।
पङ्क्ति	पंगती। पाँच की मंडली। पंक्ति।
पचत	पचाया या पकाया हुआ।
पञ्च-दशी	पंदरस। पँदराढा। पक्ष।
पञ्चाल	पंचाल। एक प्रदेश।
पटूर	पटट। जाँघ।
पटौर	दे० पटूर।
पड्वीश	पड़ास। गधे के पैर का रस्सा।
पण्डित	पंडत। पंडित। ब्राह्मण।
पताका	पताक्का। झंडा।
पति	पती। घर आला। गृह स्वामी। पति।
पत्नी	पतनी। पत्नी।
पद	पद। अंश या चतुर्थांश।
पदवी	पदवी। ऊंचा आसन।
पद्म	पदम। १. कमल। २. पदम की संख्या।
पयस्या	सीत। छाछ।
परम पुरुष	परम पुरस। परमात्मा।
परशु	फरसा।
पराशर	परासर। १. एक ऋषि। २. एक ब्राह्मण गोत्र।
परिक्षित्	परीकसत। एक राजा। परिक्षित्।
परि चर्मण्य	चमोट्ठा। चाम की बेड़।
परि-पद	वड्ढा। विशेष लंबाई चौड़ाई का गड्ढा।
परिवत्सरी-बलिवर्द	परबतसरी बुलध। परवतसरी बैल।
परि सुत	साड़ा। मादक पेय।
परुष	पोड़? सरकंडा।
परुस्	परस। साढ़े तीन हाथ की लंबाई। (मनुष्य अपने साढ़े तीन हाथ का होता है)
पर्ण	पत्ता।
पर्ण घी	पैणी?
पर्यंक	पिलंग। पलंग।
पर्वत	परबत। पहाड़।
पर्वन्	पोरा। पोरी। पौधे की पोरी।
पर्शु	पाँस्सू। पसली।
पर्शु	पास्से। खंड।
पर्शु	फरसा।
पर्ष	पैर। खलिहान।
पलद	पलीत्ता। घास फूस आदि का बिछौना, जो गाड़ी के बीच में डाल दिया जाता है।
पलाल	पुरल। पुरली। जौ आदि का लान।
पलाश	पलास। ढाक। टेस्सू।

पल्पूलन	नूणी । रेह ।
पवन	पोणा । पोणी । छलनी । चलनी ।
पशु	पसू । जानवर । पशु ।
पष्ठौही	बहड़ी । भेंड़की । चार वर्ष की आयु की गाय ।
पस	बहू । जनेन्द्री ।
पाञ्चाल	पंचाल । एक प्रदेश ।
पातल्य	पछेलला । रथ का एक भाग ।
पात्र	पात्तर । बर्तन । पात्र ।
पान	पीणा । पीना ।
पाप	पाप ।
पार	पार । दूसरा किनारा ।
पारावत	परावर । कपोत ।
पारोवर्य-विद्	पीड्ढी पाड़णिया । अन्य की कुल परंपरा को जानने वाले ।
पार्वति	पारबती । पार्वति । पर्वत पुत्री ।
पार्श्व	पाँस्सू । पसली ।
पाश	पास । बंधन । रस्सी ।
पाशिन्	पास्सी । शिकारी । एक जाति विशेष ।
पिङ्गल	पीला । पीत ।
पिङ्ग	पींग ? पेंग । पँग । १. रस्सी । २. झूला ।
पिञ्जूल	पिंजोली ? घास आदि की रस्सी ?
पिण्ड	पिंड । पितरों को दिया जाने वाला आटे आदि का गोला ।
पितामह-ततामह	दाद्दा । दादा ।
पितृ	पिता ।
पित्त	पित ।
पिप्पल	पीप्पल । पीपल ।
पिशाच	पिसाच । प्रेत । पिशाच ।
पिष्ट	पीट्ठी । पीठी । पिसी हुई दाल ।
पीठ	पीड्ढा । पीढ़ा । आसन ।
पीयूष	खीस । गाय का पहला-पहला दूध (प्रजनन के बाद) ।
पीलु	पीहल । जाल के पौधे का फल ।
पुञ्श्चली	छनाल । छनाल स्त्री ।
पुञ्जील	पूंजा । सन आदि का पूंजा ।
पुण्य	पुण्य ।
पुत्र	पुत्तर । पुत्र ।
पुनर्जन्म	पुनरजनम । पुनर्जन्म ।
पुराण	पुराण ।
पुरीष	फूहड़ा । विष्ठा ।
पुरोवात	परवा । पूर्वी वायु ।
पुरोहित	पिरोहत । पुरोहित । कुल विप्र ।
पुष्कर	पुस्कर । एक तीर्थ । पुष्कर ।
पुष्य	पुख । पुष्य नक्षत्र ।
पूर्वज	पूरवज । पुरखे । पूर्वज ।
पूर्व वह	बींडिया । सबसे आगे जुतने वाला बैल ।
पूल्प	दे० पूल्य ।
पूल्य	फूल्ली । भुना हुआ अन्न ।
पृथ	पैड़ । लंबाई विशेष का नाप ।

पृथिवी	पिरथी । पृथ्वी ।
पृथु	पिरथू । पृथु । एक प्रतापी राजा ।
पृषदाज्य	दे॰ पृषातक ।
पृषातक	गोज्जी । गव्य पदार्थों का मिश्रण ।
पृष्टि	पीठ ।
पृष्ठ	पीठ ।
पोतृ	पोतड़ा । एक वस्त्र विशेष ।
पौर्णमासी	पूरणमास्सो । पूर्णमासी ।
प्रउग	ऊँटड़ा । उंटना । गाड़ी का वह अग्र भाग जो भूमि पर टिक जाता है ।
प्रकश	साँट्टा । साँटा । कश ।
प्रक्ष	पिलखण । पिलखन ।
प्र-घात	वात्तण । वस्त्र । डब्बोट्टा ।
प्र-चलाका	पतास्सा सा मींह । मोटी बूँदों की वर्षा ।
प्र-जा	परजा ।
प्रजा पति	परजापती । भगवान । प्रजापति ।
प्रणपात्	पड़पोत्ता । प्रपौत्र ।
प्र-ततामह	पड़दाद्दा । प्रपितामह ।
प्रति-धि	पीड़ढो । पीढ़ी ।
प्रति-वेश	पड़ोस । पड़ोस्सी । पड़ोसी ।
प्र-दर	दर । दराड़ । दरार ।
प्र-धि	परधी । पहिये का एक भाग ।
प्र-पथ	पड़ा । पड़ाव । पथिकों का विश्राम स्थान ।
प्र-पितामह	पड़दाद्दा । प्रपितामह ।
प्र-पित्व	पीली पाट्याँ । सूर्योदय से पूर्व काल ।
प्रपौत्र	पड़पोता । पुत्र का पुत्र ।

प्र-फर्वी	फाह फोह्टण । बनावटी व्यवहार वाली स्त्री ।
प्र-लय	परलअ (दीर्घ 'अ' का प्रयोग) । परलो । प्रलय । महाविनाश ।
प्र-वचन	परवचन । १. मौखिक उपदेश । २. शुभवचन (व्यंग में) ।
प्र-वर	परवर । गोत के बाद लगने वाला पूर्वजों का नाम । यथा-कौशिक गोत्र, अत्रि प्रवर ।
प्र-वल्हिका	पहेल्ली । पहेली ।
प्र-वास	परवास । विदेश वास ।
प्र-शस्	फरसा । परसा । परशु ।
प्रश्न	परसन । प्रश्न । जिज्ञासा ।
प्रष्टि	वींडिया (बैल) । दे॰ पृष्ट्या ।
प्र-सू	परसूत्ती । प्रसूति । जच्चा ।
प्र-सृत	पसारमाँ । पसरवाँ । फैला हुआ ।
प्र-स्तर	विसटर । विष्टर । आसन । विवाह के समय प्रतीक रूप में प्रयुक्त दूब या कुश का आसन । २. विस्तर ।
प्र-हा	पास्सा । अक्षक्रीड़ा का पासा ।
प्राकार	परकोट्टा । प्रकोटा । चार दीवारी ।
प्राचीन तान	ताणी । तानी ।
प्राण	पराण । पिराण । प्राण । १. श्वास । २. जान । ३. आत्मा ।

प्रातराश	बास्सी वारा। प्रातःकाल का नाश्ता।
प्रादेश	पाँह। लंबाई विशेष।
प्राश	फहणिया। फहबणिया। व्यर्थ में ही वाद विवाद में पड़ने वाला।
प्रेत	परेत। भूत। प्रेत।
प्रौष्ठ	खाट। चारपाई।
प्रौष्ठ-पदा	पाया। पावा। खाट का पावा।
प्लक्ष	पिलखण। पिलखन।
प्लव	पाल। नाव।
प्लीहन्	तिल्ली।
फल	फल़। फल।
फलक	फाल़। फाह्ल़ा। कुदाला।
फाण्ट	पींड्डा (मक्खन का)।
फाल	फाह्ल़ी। फाली।
फाल्गुण	फाग्गण। फागुन। फाल्गुन।
फेन	फैन। फेन।
बद	विघ। पशु के खुर के बीच निकलने वाला फोड़ा। फोड़ा।
बदर	बेर।
बद्ध	बुड़का ?
बद्धन	बांध।
बांधन	बांध। बांधणा। बांधना।
बन्धु	बंध। यथा—भाई-बंध। बंधु।
बर्हिस्	बरही। घास फूस आदि की रस्सी।
बलाय	बला या बलाय। यथा—आग-बला या आगबलाय। आग में डालने योग्य।

बलि	बली। १. आहूति। २. भेंट। न्यौछावर।
बलिकृत	बाणिया। बुकाल। वणिक।
बल्बूथ	बलबूता (वैदिक अर्थ— सौ दास देने वाला)।
बाण	बाण। शर।
बाण-वन्त	बाण वन्त। सर विद्या में कुशल।
बाल	बाल यथा-बाल-गुपाल।
बाहु	बाहू। हाथ। लंबाई का एक नाप।
बिम्ब	बिंब। गोल़। एक लाल फल जो झाड़ियों पर चढ़ी बेल पर लगता है।
बिल	बिल। बिवर।
बिल्व	बेल पत्तर। बेल गिरी।
बिस	भिस। एक सब्जी।
बीज	बीज।
बुध्न	बदना। पात्र की तली। यथा—बिना बदने का।
बृसी	बेस्टन। १. आसन। २. वस्त्र।
बृहस्पति	भिरस्पति। १. एक देवता। २. एक वार।
ब्रह्मचारी	बिर्ह्मचारी। ब्रह्मचारी।
ब्रह्मन्	बाह्मण। ब्राह्मण।
ब्रह्म-विद्या	बिर्ह्म विद्या। ब्रह्मविद्या।
ब्रह्म-हत्या	बिरह्म हत्या। घिनोना पाप।
ब्राह्मण	बाह्मण। ब्रह्मन। ब्राह्मण।
ब्लेष्क	बुलाक। तोख। मृत्युपाश।
भक्ष	भख। खाना।

भग	भग । नेत्र । यथा इनदर के भगजाणी । अनेक नेत्र ।
भगिनी	भाण । बेहिन ।
भङ्ग	भंग । भाँग ।
भंद्रा	भंदरा । एक अशुभ नक्षत्र ।
भरणी	भरणी । एक नक्षत्र ।
भरद्वाज	भारद्वाज । १. एक ऋषि । २. एक गोत्र ।
भर्तृ	भरता । भरतार । पति ।
भसद्	भोस्सी । स्त्री का गुप्तांग ।
भाग	भाग । हिस्सा ।
भाद्रपद	भादवा । भादुवा । भादों मास ।
भारत	भारत देस ।
भार्गव	भारगव । भार्गव । १. एक ऋषि । २. एक गोत्र ।
भार्या	भारिया । पत्नी । भार्या ।
भाषा	भाक्खा । १. संस्कृत । २. बोलचाल की भाषा । ३. अशुभ वचन (व्यंग में) ।
भिक्षा	भिच्छा । भीख ।
भुरण्यु	भरणिया । भरता । पति ।
भुरिज	बुरज ? बुरजी ? ।
भुवन	भवन । लोक ।
भुवन-पति	भवन पति । भगवान ।
भूत	भूत । भूत प्रेत ।
भूत-विद्या	भूत विद्या ।
भूमि-भूमी	भोम्मी । भूम्मी । भूमि ।
भृगु	भिरगु । भृगु ऋषि ।
भ्रङ्गा	भौंरा । भ्रमर ।
भ्रातृ	भाई ।
मकर	मगर (मच्छ) । नक्र ।
मक्ष	माख । माँकखी । मोटी मक्खी ।

मक्षिका	माँकखी । मक्खी ।
मख	मखाणा । मखाना । ताल मखाना ।
मज्जा	मज्जा ।
मणि	मणियाँ । एक आभूषण ।
मणिक	मूण । पानी का बड़ा मटका ।
मण्डूक	मींडक । मेंढ़क ।
मतस्ना	मसाण । मूत्र पिंड ।
मतिः	मत । मती । मति ।
मत्स्य	मछली ।
मद्य	मद । शराब ।
मद्र	मदर । एक देश ।
मधु	मधू । शहद ।
मधु-पर्क	मधु परक । फेरों के समय दूल्हे को दिया जाने वाला मिष्टान्न आदि ।
मनस्	मन ।
मना	मणा । एक माप त्रिशेष । १. एक मन तोल या एकमन परिमाप का पात्र । २. एक मन का बाट ।
मनु	मनु भगवान ।
मनुष्य	माणस । मनुष्य ।
मनुष्य लोक	मनुस लोक । भूलोक ।
मन्त्र	मंतर । मंत्र ।
मन्था	मथाणी । मधाणी । रई ।
मयूर	मोर ।
मर्कट	मरकठ । बंदर ।
मर्मन्	मरम । मर्म । जीव स्थान ।
मर्यक	बिजार । सांड ।
मर्यादा	मरजाद । सीमा । मर्यादा ।
मल	मल । गंद ।

मलिम्लु	मल्ला मल्लो । १. धींगा मस्ती । जवरदस्ती । २. लुटेरा ।
मलि-म्लुच्	मल मास । अधिक मास ।
मशक	माच्छर । मच्छर ।
मसूय	मसूर ।
मसूर	मसूर ।
मस्तक	मस्तक । माथा । मस्तिष्क ।
मस्तिष्क	मत्तुथा । दिमाग । मस्तिष्क ।
मस्तु	मट्ठा ।
महर्षभ	सांड ।
महर्षि	महरसी । बड़ा ऋषि ।
महादेव	महादे । महादेव । शिव ।
महानग्नि	महानगनी । आचरण भ्रष्ट
मह-निरष्ट	नारड़ा । नारिया ।
महाराज	महाराज़ ।
महिष	भैंस ।
मांस	माँस ।
माघ	माह । माघ महीना ।
मातुल	माँमा । मामा ।
मातृ	महतारी । माता ।
मान	अनुमान । उनमान । भार ।
माया	माया । असुर-विद्या ।
मार्ग-शीर्ष	मँगसिर । मार्गशीर्ष ।
माल्य	माला ।
माष	ससूर ।
मास	मास । म्हीन्ना । महीना ।
मित्र	मित्तर । साथी । मित्र ।
मिह्	मींह । मेंह । वर्षा ।
मूञ्ज	मूंज । सरोकी । एक घास
मुद्ग	मूंग ।
मुनि	मुनी । साधु । मुनि ।
मुष्टि	मूट्ठी । मूठी ।
मुसल	मूस्सल । मुसल् ।
मुहूर्त	मूहरत । मूहूर्त ।
मूत्र	मूत । मूत्र ।
मूर्धन्	मूंद्धा । औंधा ।
मूष्	मूस्सा । मूसा । चूहा ।
मृग	मिरग । हिरण । मृग ।
मृग शीर्ष	मंगसिर । मार्गशीर्ष महीना ।
मृत्तिका	माट्टी । माटी । मिट्टी ।
मृत्यु	मौत । मरण । मृत्यु ।
मृद्	माट्टी । मिट्टी ।
मेघ	मेघ । बादल ।
मेधा	मेधा । बुद्धि ।
मेना	मैन्ना । चतुर स्त्री ।
मेनका	मैना (पक्षी) ।
मेष	मींड्ढा । मेंढा ।
मोक्ष	मोक्ष । मुक्ति ।
मोह	मोह । ममता ।
म्लेच्छ	मलेछ । १. गंदा । २. विधर्मी ।
यजमान	जुजमान । यजमान ।
यजुर्वेद	जजुरवेद । यजुर्वेद ।
यज्ञ	जग । यज्ञ ।
यज्ञोपवीत	जनेऊ ।
यदु	जदु । यादव ।
यम	जम । यम । मृत्यु के देवता ।
यमुना	जमुना । यमुना नदी ।
यव	जौं । जौ ।
यवागू	राबड़ी । यव से बना लेह्य खाद्य पदार्थ या लप्सी ।
यशस्	जस । यश । कीर्ति ।
यष्टि	लाट्ठी । लाठी ।

यातु	जाद्दू । जादू ।
यान	बिमाण । याण । यान ।
याम	जाम । याम । काल विशेष ।
यु	जू । बैलों को जोड़ने की क्रिया ।
युक्त	जोड़ी । बैलों की जोड़ी ।
युग	जुग । काल की लबाई का प्रमाण ।
युद्ध	जुध । युद्ध ।
यूथ	झत्था । जत्था ।
येवाष	जोख ?
योक्त्र	जोत । जुताई ।
योग	जोग । जोड़ ।
योजन	जोज्जन । योजन । विशेष दूरी ।
योद्धा	जोद्धा । युद्ध करने वाला ।
योध	जोध । योद्धा ।
योनि	जोन्नी । जून्नी । योनि ।
यौवन	जोब्बन । यौवन ।
रक्षस	राकस । राक्षस ।
रजयित्री	रंगरेजणी । रंगरेज की पत्नी ।
रज्जु	नेज्जू । रस्सी ।
रज्जू-सर्प ?	जेवड़िया साँप ।
रण	रण । युद्ध ।
रथ	रथ । मरथ ।
रव	रोला । ध्वनि । शोर ।
रशना	रास । रस्सी ।
रस	रस । तरल पदार्थ ।
राजन्	राज्जा । राजा ।
राजसूय	राजसूय । एक यज्ञ ।
राज्य	राज । राज्य ।

रामा	राम्माँ । रामा । वेश्या
राशि	रास । १. ढ़ेरी । २. धन ।
राहु	राहू । एक ग्रह ।
रुद्र	रुद्दर । रुद्र । एक देव ।
रुधिर	रुधिर । लहू ।
रेणु	रेती ।
रोग	रोग ।
रोहितक	रीठड़ा । रीट्ठा ।
रोहितक	दे० रोहितक ।
लक्षण	लक्खण । लच्छण । चिह्न । आसार ।
लक्ष्मी	लिछमी । लक्ष्मी ।
लवण	नूण । नमक ।
लवन	लामणी । लामनी । फसल की कटाई का काम ।
लाक्षा	लाख ।
लाङ्गल	हल़ । हल ।
लोक	लोक ।
लोपाश	लोव्वा ? लोमड़ी ।
लोमन	रूम । रूंग । रोम ।
लोष्ठ	लोथ । १. ढेला २. भार ।
वंग	बंगाल्ला । वंगाल ।
वंश	बाँस ।
वंश	बंस बेल । वंश ।
वकल	बक्कल।
वज्र	बज्जर । बज्र १. पत्थर । २. कठोर । ३. एक अस्त्र ।
वणिज	बणज १. व्यापार १/२. वाणिज्य
वत्स	बाछड़ा । बछड़ा ।
वत्स	बचचस । वत्स १. एक ऋषि २. एक ब्राह्मण गोत्र ।
वत्सरी	बाछड़ी । बाछड़ू ।
वधू	बहू । पत्नी ।

वाध्र	वधिया । खस्सी ।
वन	वण । वन । अरण्य ।
वनस्पति	वनसपती । वनस्पति ।
वनिष्ठु	पेड्डू । मलमूत्र सरकाने वाले अवयव ।
वन्धुर	पंजारा । वाहन का वह स्थान जहाँ बैठकर वाहक वाहन चलाता है ।
वप	वोणा । वोना ।
वपा	वम्बी । वाँबी ।
वम्र	डीमक । दीमक । बंबी ।
वयस्	वड्डा । बड़ा । आयु ।
वर	बर । दूल्हा ।
वरत्रा	बरर्ही । (वाहन की रस्सी।)
वराह	वराह । सूकर ।
वराहु	दे० वराह ।
वरुण	वरुण । जल का देवता ।
वर्ण	वरण । रंग-रूप ।
वर्ण	वरण । जाति ।
वर्ण	वरण । अक्षर ।
वर्तिका	वटेर पक्षी ।
वर्त्र	वात्ता । बाँध ।
वर्ध्र	वाद्धी । । चर्म-रज्जू ।
वर्ष	बरस । वर्ष ।
वल्क	वक्कल । वृक्ष की छाल ।
वल्मीक	[डीमक । दीमक ।
वव्रि	बबरी । भारी शरीर ।
वसति	बस्ती । पुर ।
वसन्त	वसंत ।
वसिष्ठ	वसिष्ट । १. वशिष्ट ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।

वस्त्र	बसतर । वस्त्र ।
वह्नि	वाहता । वहन करने वाला पशु ।
वाकोवाक्य	वकवाद । वार्तालाप (तर्कयुक्त) ।
वाजिन	जाम्मण । दूध में डाली जाने वाली दही । जामन । तुल० तोड़ ।
वाणिज	वणज । बनज ।
वाणी	वाणी ।
वात	वात । वायु ।
वानप्रस्थ	वाणपरस्त । वानप्रस्थ-आश्रम ।
वाम-देव	वाम देव । भाग्य के देवता ।
वायु	वाय्यु । हवा ।
वार्ष्णेय	वारस्नेय । एक ब्राह्मण गोत्र ।
वाशिता	बुहाल् । साँड से बलधियाने के लिए रंभाने वाली (गाय, भैंस) ।
वाशी	बसोल्ला । बसूला ।
वाश्रा	ब्याँतड़ । सूआ लागड़ । नव-प्रसूता गौ ।
वास्तु	वास । वास्सा । घर-बास्सा । घर ।
वाह	वाह । वहन करने की शक्ति । यथा-बैल की वाह लेना ।
वाहन	बाहन । वाहन ।
वि-क्रय	बिकरी । बिक्री ।
वि-घन	घण । मुगदर ।
विज	बाजी ।

वितस्ति	बित्ता । एक नाप विशेष ।
वित्त	बित्त । वित्त । धन ।
वि-देह	बिदेह । एक प्रतापी राजा ।
विद्या	बिद्या । विद्या ।
विद्युत्	बीजली । बिजली ।
विद्वान्	बिदवान । विद्वान ।
वि-धर्म	विधरम । विधर्म । पराया धर्म ।
विधवा	बिधवा । विधवा ।
वि-नशन	बिनसणा । विनष्ट होना या करना ।
विप्र	बिप्पर । विप्र । ब्राह्मण ।
विभीतक	बहेड़ा ।
विराट्	बिराट । विराट । भव्य ।
वि-वयन	बणणा । बुनना ।
वि-वाह	ब्याह । विवाह ।
विश्व-कर्मन्	बिसव करमाँ । १. निर्माण करने वाला (भगवान्) । २. खाती ।
विश्बामित्र	विसवामित्तर । विश्वामित्र ऋषि । कौशिक ऋषि ।
विष	बिख । विष । ज़हर ।
विष-विद्या	बिख बिद्या । विष विद्या ।
विष्णु	विसणू । विष्णु ।
वीणा	बीन । वीणा ।
वीर	बीर । वीर ।
वीर्य	वीरय । वीर्य ।
वृक	भेढ्या । भेड़िया ।
वृक्ष	विरछ । वृक्ष ।
वृश्चिक	बिच्छू ।
वृषभ	बैहड़ा । वहड़का । बैल ।
वृष्टि	बिरसटी । वरखा । वर्षा ।
वेणु	बेणु । वेणु । बाँसुरी ।
वेतस	बेंत ।
वेद	बेद । वेद ।
वेदि	बेद्दी । वेदी ।
वैर	बैर । शत्रुता ।
वैश्य	बैस । वैश्य ।
व्याधि	ब्याध । व्याद्धी । व्याधि ।
व्याम	ब्याम । एक पात्र ।
शकुनि	सोन चिड़ी । एक पक्षी ।
शकुन्तला	सकुंतला । शकुन्तला । एक ऋषि कन्या ।
शंकर	संकर । शंकर । शिव ।
शंख	संख । शंख ।
शण	सण । सणी । सन ।
शत्रु	सतरू । शत्रु । बैरी ।
शमी	सिरस । सरस । शमी का पौधा ।
शम्या	सिलम । सेल । जूए आदि की कील ।
शयाण्डक	साँड्डा । साँडा ।
शर	सर । सरवा । सरकंडा ।
शरद	सरदी । शरद ।
शरीर	सरीर । शरीर ।
शरु	सर । बाण ।
शलली	सिलाई । सलाई ।
शल्क	छाल्लण । वालन ।
शल्मलि	सिंवल । सेमर ।
शल्य	सेल । सकेल । जुए की कीली ।
शश	सुस्सा । शशक । खरगोश ।
शाख	साख । शाखा ।
शाण्डिल्य	साँडिल । शाण्डिल्य । १. शाण्डिल्य ऋषि । २. एक ब्राह्मण गोत्र ।

शाप	सराप । शाप ।
शामूल	सोपली ? एक विशेष प्रकार की ओढ़नी ।
शाला	साल़ । गृह ।
शालि	सेल्ला । चावल़ । चावल ।
शिंशपा	सीस्सम । शीशम ।
शिक्य	छींक्का । छिक्का ।
शिखर	सिखर । शिखर । चोटी ।
शिखा	सिखा । शिखा । चोटी ।
शिरस्	सिर । शीर्ष ।
शीपाल	सिवाल़ । सेवार । काई ।
शीर्ष	सिर ।
शीर्षण्य	सिरहाणा । सिराहना ।
शुक	सुग्गा । तोता ।
शूद्र	सूद्दर । शूद्र ।
शूर	सूर । शूर-वीर ।
शूल	सूल़ । लोहे की नुकीली छड़ ।
शृंग	सींग ।
शवल	सिवाल़ । सेवार ।
शषस्	चेह्वड़ा ?
श्मशान	समसान । श्मशान ।
श्मश्रु	मूंछ ।
श्याम	साँवला । काला ।
श्यामाक	साम्मक । सामक धान ।
श्रद्धा	सरधा । श्रद्धा ।
श्रावण	साम्मण । श्रावण मास ।
श्लेष्मन्	सरेस । चिपचिपा पदार्थ ।
श्लोक	सिलोक । श्लोक ।
श्वन्	सवान । श्वान । कुत्ता ।
श्वसुर	सुसरा । श्वसुर ।
श्वश्रू	सास्सू । सास ।
श्वा-विध्	सेह ।

श्वैत्रेय	सांड ।
सं-वत्सर	संमत । संवत्सर । वर्ष ।
सक्तू	सत्तू ।
सखि	सखी । सहेली ।
सङ्कल्प	संकलप । संकल्प ।
सङ्ग्राम	संगराम । युद्ध ।
स-ञ्चर	चरणी । फिरणी । गोहर ।
सत्य	सत । साच । सत्य ।
सन्-नतन	नात्ता । नेज्जू । रस्सी ।
स-पत्नी	सोत । सौत ।
स-बन्धु	संबंधी । सगे संबंधी ।
सभा	सभा ।
सभा-पति	सभापती । सभापति ।
समर	समर । युद्ध ।
समा	समा । सुकाल ।
समीक	समसीर । युद्ध ।
समुद्र	समंदर । समुद्र ।
सरयु	सरजू । सरयू नदी ।
सरस्वती	सुरस्ती । सरस्वती ।
सर्प	साँप ।
सर्प-विद्या	साँप विद्या ।
सर्षप	सिरसों । सिरसम । सरसों ।
सामवेद	स्याम वेद । सामवेद ।
साम्राज्य	समराज । साम्राज्य ।
सायं	साँझ । सायंकाल ।
सारथी	सारथी । रथ-नियंता ।
सिंह	सिंघ । शेर ।
सिच्	चीःह्लड़ा । चीथड़ा । चिथड़ा ।
सिन्धु	सिंधू । १. समुद्र । २. नदी ।
सीता	सीत्ता । हल की फाल ।
सीस	सीस्सा । सीसा ।

सुभद्रा	सुभदरा । वैश्या (व्यंग्य में) ।
सुरा-कार	कलाल़ । सुराकार ।
सू-कर	सूर । सुअर ।
सूत-वशा	बहलाँ । गर्भिणी न होने वाली गाय ।
सूत्र	सूत । धागा ।
सूर्य	सूरज । सूर्य ।
सृगाल	सिरगाल । गाद्दड़ । गीदड़ ।
सृणी	सिंडास्सी । संडास्सी । संडासी ।
सेतु	सेत्तू । सेतु । पुल ।
सेना	सैन्ना । सेना ।
सेलग	छैल्लड़ । १. साँड । २. बेरोकटोक विचरण करने वाला ।
सैन्धव	सिंध्या (नमक) ।
स्कंध	काँद्धा । कंधा ।
स्तम्भ	थाँभ । थंभ ।
स्तुका	जतणी । बाल की रस्सी ।
स्तृ	तारा ।
स्तोक	थोड़ा ।
स्त्री	इसतरी । स्त्री
स्थाणु	थूणा । थाँभ । खूंट्टा । खूंटा ।

स्थाली	थाल़ी । थाली ।
स्थूणा	थूण । थूणा । स्तंभ ।
स्याल	साल़ा । साला ।
स्यूम-गृभ	चबडैल । लगाम चबाने वाला ।
स्वप्न	सपना । सुपना । स्वप्न ।
स्वर	सुर । स्वर ।
स्वराज	सुराज । स्वराज्य ।
स्वर्ग	सुरग । स्वर्ग ।
स्वसृ	जीज्जी । जीजी । बहन ।
हंस	हंस ।
हरिण	हिरण ।
हरिश्चन्द्र	हरिच्चंद । हरिश्चन्द्र । एक सत्यवादी राजा ।
हर्म्य	हेल्ली । हवेली ।
हस्रा	हँसोकड़ी ।
हिरण्य-कशिपु	हिरणाकुस । हिरण्यकशिपु । एक क्रूर राजा ।
हृदय	हिरदा । हृदय ।
हेल	हेल्ला । क्रोध भरी हुँकार ।
हेमन्त	हेमंत (ऋतु) ।
ह्रद	रा । यथा राम रा (पिंडारा) राम ह्रद ।

—०—

हरयाणवी-वैदिक खण्ड

अंकुस	अंकुश
अंजन	आञ्जन
अंजन	अभ्यंजन
अंतर-आत्मा	अन्तरात्मा
अखता	अक्तु
अगड़	अगार
अगड़दम	दम
अगहन	अग्रहायण
अग्गरसैन	अग्रसेन
अझा	अज
अड़ूसा	तूष
अणी	अनीक
अतरी	अत्रि
अताया	आयुत
अदीठ	अदृष्ट
अनरथ	अनृत
अफारा	अप्सरस्
अबर	अभ्र
अभिसेक	अभिषेक
अमबा	अम्बा
अरंड	एरण्ड
अरण	अरण्य
अरथ	रथ
अरल़ी	अर्गल
असवथ	अश्वत्थ
अशवमेघ	अश्वमेघ
असीस	आशिष

अस्टा	अक्ष
अस्तर	उपस्तरण
अस्तर	आस्तरण
अह	अहि
आँक	अङ्क
आँगल़ी	उङ्गरी
आँत	आन्त्र
आँमला	आमलक
आख	अर्क
आखटा	अर्क
आखर	अक्षर
आग	अग्नि
आ!ठोड़ा	एकाष्टका
आरणा	आरणी
आरिया	आर्य
आमल़ा	अमला
आल	आल
आलंबायण	आलम्वायन
आस	आशा
आस	आस
आसरम	आश्रम
आस्सण	आसन्दी
इंदर	इन्द्र
इंदराणी	इन्द्राणी
इमरत	अमृत
इस्तरी	स्त्री
इस्वर	ईश्वर

ईंख	इक्षु
ईंट	इष्टका
ईंधण	इध्म
ईजगर	अजगर
ईरखा	ईर्ष्या
उत्तरायण	उत्तरायण
उतसव	उत्सव
उत्तर दिसा	उदीची
उदर	उदर
उद्दालक	उद्दालक
उनमान	मान
उपमन्यु	उपमन्यु
उपानह	उपानह
उर	उरस
उरबसी	उर्वशी
उरल़ू	उरुक
उरही	उरा
उलाल़वा	अपालम्ब
ऊँट	उष्ट्र
ऊँटड़ा	उद्धि
ऊखाँ	उषस्
ऊक्खल़	उलूखल
ऊद बिला	उद्र
ऐरावत	ऐरावत
ओखधी	ओषधि
ओगण	ओगण
ओज	ओजस्
ओम्	ओम्
कंठ	कण्ठ
कंस	कंस
कक्खी	कस्तम्भी
कटार	कृति
कनपटी	कड्कूष
कनफेड़	कफोड़
कन्या	कन्या
कपला	कपिला
कपाल़	कपाल
कपी	कपि
कबूत्तर	कपोत
कमंडल	उदक्मण्डलु
कमल	कमल
करतूत	कृत्या
करसी	करीष
करोंच	क्रौंच
कल़जुग	कलियुग
कलप	कल्प
कलस	कलश
कला	कला
कलाल़	कौलाल
कल़ासिया	किलास
कल्याण	कल्याण
कवच	कवच
कवी	कवि
कस्यप	कश्यप
काँद्धा	स्कंध
काँस	कशिपु
काँस्सी	कंस
काकड़ा	कर्कन्धु
काग	काकुद
काट	काट
कात्तिक	कार्त्तिक
कात्याणी	कात्यायनी
काम	काम
कामबल़	कम्बल
कार	कार
कारुरा	करुकर

काल़	काल
कास	काश
किरतका	कृतिका
किरल़काँट	कृकलास
किरमी	कृमि
किरसण	कृष्ण
किरसी	कृषि
किरात	किरात
कीक्कर	कीकट
कीड़ा	कीट
कीरती	कीर्ति
कुंभ	कुम्भ
कुबेर	कुबेर
कुमद	कुमुद
कुमार	कुमार
कुलछेत्तर	कुरुक्षेत्र
कलाल़	कौलाल
कुल्लहाँ	उदकुम्भ
कुल्हड़	उद्कुम्भ
कुल्हाड़ी	कुलिश
कुस	कुश
कुहाड़ो	कुलिश
कूँड	कुण्ड
कुक्खो	कक्ष
कूँच	कूर्च
कूआ	कूप
कूतणा	आकूति
कूब	कुकुद
कूरकूर	कुर्कुर
केत्तु	केतु
केस	केस
केस्सू	किंशुक
कैर	करीर
कोंच	कूर्च
कोंडिल	कौण्डिल्य
कोइया	कनीनका
कोक	कोक
कोख	कुक्षि
कोढ	कुष्ठ
कोड़ा	कशा
कोतस	कौत्स
कोयल	कोकिल
कोरु	कुरु । कौरव
कोल	कोकिल
कोस	कोश, क्रोश
कोसिक	कौशिक
कोहरा	नीहार
कौरव	कुरु
खजूर	खर्जूर
खतरी	क्षत्रिय
खर	खर
खलिहाण	खल
खाँड्डू	खाण्डव
खाँस्सी	कास्
खाट	प्रोष्ठ
खात्ती	इषुकृत
खारकी (गाय)	गृष्टि
खारी	खारी
खाल़	कुल्या
खाल़वा	कुल्या
खीचड़ी	कृसर
खीर	क्षीर
खीस	पीयूष
खुदाल़ी	खनित्र
खुर	क्षुर
खुरैंहरा	कुरीर

खूड	कर्षू
खेत्ती (हर)	कृष्टि
खैर	खदिर
खोर	आखर
गंगे	गाङ्ग्य
गंधार	गन्धार
गंधारी	गन्धारी
गज	गज
गड़वाला़	गर्तारुह
गण	गण
गती	गति
गधा	गर्दभ
गरंड	ग्रारा
गरग	गर्ग
गरड़	गरुड़
गरभ	गर्भ
गरल़	गर
गाँठ	काण्ड
गाँम	ग्राम
गा	गो
मा	गवय
गाड्डी	गर्त
गातरी	गायत्री
गात्था	गाथा
गादड़	क्रोष्ट्र
गान	गान
गाम	ग्राम
गामोल्ली	ग्रामिन्
गाय	गो
गालव	गालव
गितवाड़	गोष्ठ, गय
गिध	गृध
गिर	गिरि
गिरह	गृह
गिरा	गिर
गीहूँ	गोधूम
गुटरु	कुट्रु
गुपाल	गोपाल
गुफा	गुहा
गूँट्ठा	अंगुष्ठ
गूग्गल़	गुग्गुलु
गूल्लर	उदुम्बर
गेहूँ	गोधूम
गोज्जी	पृषातक, पृषादाज्य
गोत	गोत्र
गौतम	गौतम
गोरी (गा)	गौर
गोहरण	गवीनी
गौ	गौ
घण (मुगदर)	घन
घण	द्रु-घन
घर	गृह
घसणा	अधिसवण
घात्तण	प्र-घात
घास	घास
घिरत कौसिक	घृत कौशिक
घोस(स्वर)	घोष
चंडाल	चाण्डाल
चंदरमा	चन्द्रमस्, चन्द्र
चंदेवा	चण्डातक
चकवा	चक्रवाक
चकसु	चक्षुस्
चक्कर	चक्र
चणा	चणस्
चवड़ैल	स्यूम-गृभ
चमचा	उद चन

चमास्सा	चातुर्मास्य
चम्मच	उद चन
चरक	चरक
चरणी	सं-चर
चरसा	उदचमस
चाँद	चन्द्रमस्, चन्द्र
चाम	चर्मन्
चिंडाल्	चाण्डाल
चिड़स	उदचमस
चितरा	चित्रा
चित्तरथ	चित्ररथ
चिमन	च्यवन
चीथड़ा	सिच्
चीह्लड़ा	सिच्
चुपाया	चतुष्पाद
चूरण	चूर्ण
चूरा	चूर्ण
चेत्तन	चेतन
चेह्बड़ा	शेषस्
चैत	चैत्र
चोर	चोर
छण	क्षण
छतरी	क्षत्रिय
छन	क्षण
छनाल	पुंश्चली
छाग्गल	छग
छाछ	पयस्या, आमिक्षा
छाल्लण	शल्क
छाः	आमिक्षा
छींक्का	शिक्य, उच्छीर्षक
छेम	क्षेम
छैल्लड़	सेलग
छोह्णी	क्षोणी
जंघा	जघन
जंता	जन्ता
जंतु	जन्तु
जग	यज्ञ
जगत	जगती
जजुरवेद	यजुर्वेद
जठर	जठर
जणी	जनी
जतणी	तान्ति,
जदु	यदु
जनक	जनक
जम	यम
जमदगनी	जमद्-अग्नि
जमाई	जामातृ
जमुना	यमुना
जय	जय
जस	यशस्
जाँघ	जंघा, जघन
जात	जाति
जाथर	जत्रु
जाद्दू	यातु
जाम	याम
ज़ाम्मण	वाजिन
जार	जार
जिजमान	यजमान
जीजी	स्वसृ
जुग	युग
जुजमान	यजमान
जुध	युद्ध
जू	यु
जून्नी	योनि
जेरज	जरायु
जेवड़िया साँप	रज्जु सर्प

जेवड़ी	तेजन
जैमनी	जैमिनी
जो	यव
जोख	येवाष
जोग	योग
जोज्जन	योजन
जोड़ी	युक्त
जोत	योक्त्र
जोद्धा	योद्धा
जोध	योध
जोन्नी	योनि
जोब्बन	यौवन
झक	जष
झख	झष्
झत्था	यूथ
झीम्मर	धैवर, धीवन
टपका	द्रप्स
टाब्बर	तोक
टेस्सू	किंशुक
टोप्पा	द्रप्स
ट्योंट	तोत्र
डंक	दंश, दंष्ट्र
डंड	दण्ड
डंडा	दण्ड
डस	दशा
डाक्कू	दस्यु
डाभ	दर्भ
डीमक	उपदीका
डूंड्डा	उडुप
डोऊ	द्रु
डोन्ना	द्रोण
डोहरी	दर्वि
ढभोल़ी	दृबा
ढाँड्ढी	धेनुष्टरी
ढीढ	दूषीका
तंडुल	तण्डुल
तकवा	तर्कु
तपसवी	तापस
तप्पड़	तार्प्य
तबीज	ताबुव
तरखाण	तक्षन्, तष्टृ
तराज्जू	तुला
तरु	तरु
तरेत्ता	त्रेता
तसर	तसर
ताक्कू	तर्कु
ताणी	प्राचीनातन
ताणी	अनुछाद
तात	तात
तारा	स्तृ
तिगाल़ा	तुग्र
तिणका	तृण
तिरसंकू	त्रिशंकु
तिल	तिल । जर्तिल
तिल्ली	प्लीहन्
तीत्तर	तित्तिर
तीरथ	तीर्थ
तुस	तुष
तूंबा	तूणव
तेइया	तृतीयक, तक्मन्
तेल	तेल
थंम्भ	स्तम्भ
थाल़ी	उदस्थाली । स्थाली
थूण	स्थूणा
थूणा	स्थूणा
दक्खण	दक्षिण

दक्ष	दक्ष
दर	प्रदर
दरड़णा	दृषद्
दराँत्ती	दात्र
दराड़	प्र-दर
दरी	अद्रि
दवाप्पर	द्वापर
दवार	द्वार । दुर । दुर्यं ।
दसमासिया	दशमास्य
दस्से	दशन्
दस्हे	दशन्
दही	दधि
दाँत	दन्त
दाँत्ती	दात्र
दा	दीव
दा	दाव
दात्ता	दातृ
दाद्दा	ततामह
दान	दान
दारा	दार
दाव	दीव
दास	दास
दिछणा	दक्षिणा
दीप	द्वीप
दिसा	दिश्
दीमक	उपदीका
दु धारु	दुधा
दुपाया	द्विपाद
दुसाल्ला	दूर्श
दुहेज्जू	दिधिषु
दूत	दूत
दूब	दूर्वा
दूहणा	दोह
देई (गाय)	दित्यौही
देवता	देवता
देवलोक	देवलोक
देस	देश
दोन्ना	द्रोण :
दोहणा	दोह
धजा	ध्वज
धन	धन
धनुस	धनुष
धमणी	ध्मातृ
धरम	धर्म
धरु	ध्रुव
धाँस	ध्वंसि
धाणी	धानः
धान	धान्य
धाम	धामन्
धार	धारा
धावण	दामन्
धिरतरास्टर	धृतराष्ट्र
घी	घी
धीणू	धेना, धेनु
धीवर	धैवर
धुरी	धुर
धूप	धूप
धूमकेत्तू	धूमकेतु
धूँम्मा	धूम
धेवती	दुहितृ
धौंकणी	धमनि । ध्मातृ
नगर	नगर
नचणवी	नृतू
नछत्तर	नक्षत्र
नणद	ननादृ
नणदी	ननादृ

नद्दी	नदी
नमस्कार	नमस्
नर	नर
नरक	नरक
नरसल	नड़
नरसिंघ	नरसिंह
नाँ	नामन्
ना (नाव)	नौ
नाइया	नाव्या
नाई	नापित
नाक्की	न्यंक
नाखुन	नख
नाग	नाग
नाड	नीड
नाड़ा	नीवि
नाड़ी	नाड़ी
नाप	नाभि
नाभ	नभ्य
नाब्भी	नभ्य
नाम	नामन्
नारड़ा	महानिरष्ट, अनड्वाह ।
नारद	नारद
नारायण	नारायण
नारिया	महानिरष्ट, अनड्वाह ।
नारी	नारी
नाव	नौ नावा
नावक	नाव्या
निधी	निधि
निमेख	निमेष
निवाणी	निवान्या
निसाद	निषाद
नीलकंठ	नीलग्रीव
नीवी	नीवि

नुँह	नख
नूण	लवण
नूणी	नवनीत
नेज्जा	तेजनी
नेज्जू	रज्जू
नेवला	नकुल
न्या	न्याय
न्याणी	निवान्या
न्याव	न्याय
न्योल़	नकुल
पंगती	पङ्क्ति
पंचाल़	पञ्चाल । पाञ्चाल
पंछी	पक्षिन्
पंजारा	बन्धुर
पंडत	पण्डित
पंदरस	पञ्चदशी
पंदराह्ड़ा	पंञ्चदशी
पक्स	पक्ष
पकावा	पक्ति
पक्का	पक्व
पचाया	पचत
पट्ट	पटूर, पटौर
पड़दाद्दा	प्र-ततामह
पड़पोत्ता	प्र-णपात
पड़ा	प्र-पथ
पड़ाव	प्र-पथ
पड़ोस	प्रतिवेश
पड़ोस	पड्बीस
पतनी	पत्नी
पताक्का	पताका
पतास्सा सा मींह	प्र-चलाका
पती	पति
पत्ता	पर्ण
पद	पद्

पदम	पद्‌म
पछल्ला	पातल्य
पदवी	पदवी
परकोट्टा	प्राकार
परजा	प्र-जा
परजापती	प्रजापति
परधी	उपधि
परधी	प्रधि
परवचन	प्रवचन
परबत	पर्वत
परबतसरीबुल़ध	परिवत्सरो बलिवर्द
परबास	प्र-वास
परम पुरस	परम-पुरुष
परल़श्र	प्र-लय
परवर	प्र-वर
परवा	पुरोवात । प्रव्रण
परस	परुस्
परसा	प्र-शस्
पराण	प्राण
परावर	पारावत
परासर	पराशर
परीकसत	परीक्षित
परेत	प्रेत
पलीत्ता	पलद
पसरमाँ	प्र-सृत
पहेल्ली	प्र-वल्हिका
पाँस्सू	पर्शु, पार्श्व
पाँह	प्रा-देश
पाट	अपाष्ठ
पाट्टे	निपाद
पाणी	प्रणीता
पातर	पात्र
पाप	पाप
पाया	प्रोष्ठ पद
पार	पार
पारवती	पार्वती
पाल	प्लाव
पावा	प्रोष्ठ पद
पास	पाश
पास्सा	प्र-ह्रा
पास्सी	पाशिन्
पास्से	पर्शु
पिंजोल़ी	पिंजूल
पिंड	पिण्ड
पित	पित्त
पिता	पितृ
पिन्नस	अनस्. अवस
पिरथू	पृथु
पिराण	प्राण
पिलंग	पर्यंक
पिलखण	प्रक्ष, प्लक्ष
पिसाच	पिशाच
पिह्‌रोत	पुरोहित
पींग	पिंगा
पीट्ठी	पिष्ट
पीठ	पृष्टि, पृष्ठ
पीड्ढा	पीठ
पीड्ढी	प्रतिधि
पीड्ढी-पाड़णियाँ	पारोवर्यं विद्
पीणा	पान्
पीन्नस	उपानस
पीपल़	पिप्पल
पील़ा	पिंगल
पील़ीपाट्याँ	प्र-पित्वा
पीह्‌ल	पीलु
पुख	पुष्य

पूड़ा	अपूप
पुण्य	पुण्य
पुत्तर	पुत्र
पुनर-जनम	पुनर्जन्म
परल़	पलाल
पुरल़ी	पलाल
पुराण	पुराण
पुस्कर	पुष्कर
पूँज्जा	पुंजील
पूरणमास्सी	पौर्णमासी
पेड्डू	वनिष्ठु
पेड़	पृथ
पैणी	पर्णधि
पैर	पर्ष
पोतड़ा	पोतृ
पोत्ता	नपात
पोरा	पर्वन्
पोरी	पर्वन्
पौड़	परुष
प्र-शस्	फरसा
फरसा	परशु, पर्शु
फल़	फल
फह्णिया	प्राश
फाग्गण	फालगुण
फाल़	फलक
फाह फोह्टण	प्र-फर्वी
फाह्ल़ी	फाल
फूल्ली	पूल्य
फूह्ड़ा	पुरीष
फेन	फेन
बंगाल्ला	वंग
बंध	बन्धु
बंबी	वपा
बकवाद	वाकोवाक्य
बक्कल	वल्क, वकल
बज्जर	वज्र
वच्चस	वत्स
बड्ढा	परिपद
बण	वन
बणणा	वि-वयन
बणज	वाणिज
बदना	बुध्न
बधिया	वध्रि
बणज	वणिज
बनस्पती	वनस्पति
बबरी	वव्रि
वर	वर
बरखा	वृष्टि
बरण (अक्षर)	वर्ण
बरण	उपबर्हण
बरण	वर्ण
वरही	वरत्रा, बर्हिस
वराह	वराह
वराह	दुर्वराह
वरस	वर्ष
वरुण	वरुण
बला	वलाय
बली	बलि
वलबूत्ता	बल्बूथ
वसंत	वसन्त
बसिष्ट	वशिष्ठ
वसोल्ला	वाशी
बस्तर	वस्त्र
बस्ती	वसति
बहू	वधू
बहू (जनेंद्री)	पस

बहड़ी	पष्ठौही
बहलाँ	सूत-वशा
बाँध	बंधन
बाँध	बद्धन
बाँस	वंश
बाछड़ा	वत्स
बाछड़ी	वत्सरी
बाछड़ू	वत्सरी
बाण	वाण
बाण परस्त	वाण प्रस्थ
बाणिया	बलिकृत
बाणी	वाणी
बात	वात
बात्ता	वर्त्र
बाद्धी	वर्ध
बाय्यु	वायु
बारह	द्वादस
बाल्	बाल
बास	वास्तु
बास्सा	वास्तु
बाह	वाह
बाहन	वाहन
बाहता	वह्नि
बाह्मण	ब्रह्मन्
बाहमण	ब्रह्मन्, ब्राह्मण
बाह्मणहत्या	ब्रह्महत्या
बाहू	बाहु
बिंब	बिम्ब
बिकरी	विक्रय
बिख	विष
बिख विद्या	विष विद्या
बिच्छू	वृश्चिक
बिजार	श्वैत्रैय
बिदवान	विद्वान्
बित्त	वित
बित्ता	वितस्ति
बिद्या	विद्या
बिध	बद
बिघरम	विधर्म
बिधवा	विधवा
बिनसणा	वि-नशन
बिप्पर	विप्र
बिरछ	वृक्ष
बिरसटी	वृष्टि
बिराट	विराट्
बिर्ह्म-बिद्या	ब्रह्मविद्या
बिल्	विल
बिसटर	प्र-स्तर
बिसणु	विष्णु
बिसवामित्तर	विश्वामित्र
बिसव करमाँ	विश्वकर्मन्
बीज	वीज
बीजल़ी	विद्युत्
बीज्जो (बांदरी)	विज क्ष्विका
बींडिया	पूर्ववह, पृष्टि
बीन	वीणा
बीर	वीर
वीरय	वीर्य
बुकाल	वलिक्त
बुड़का	व्रद्
बुरज	भुरिज
बुलाक	ब्लेष्क
बुहाल्	वाशिता
बेणु	वेणु
बेद	वेद
बेद्दी	वेदि

बेर	बदर
बेलपत्तर	विल्व
बेस्टन	बृसी
बैंत	वेतस्
बैर	वैर
बैस	वैश्य
बोणा	वपन
ब्यांतड़	वाश्रा
ब्याध	व्याधि
ब्याम	व्याम
ब्याह	वि-वाह
भंग	भंग
भंभीरी	अभ्री
भखणा	भक्ष
भग	भग
भदरा	भद्रा
भरणिया	भुरण्यु
भरणी	भरणी
भरता	भर्तृ
भवन	भुवन
भाई	भ्रातृ
भाईचारा	भातृवस्
भाखा	भाषा
भाग	भाग
भाण	भगिनी
भादवा	भाद्रपद
भारगव	भार्गव
भारत	भारत
भारदवाज	भारद्वाज
भारया	भार्या
भिरगू	भृगु
भिरस्पति	बृहस्पति
भिस	बिस
भीख	भिक्षा
भूत	भूत
भूत-विद्या	भूत-विद्या
भूम्मी	भूमि
भेड्ड्या	वृक
भैंस	महिष
भोम्मी	भूमि
भोस्सो	भसद्
भोरा	भुंगा
मँगसिर	मार्गशीर्ष । मृगशीर्ष ।
मंतर	मंत्र
मखाणा	मख
मगरमच्छ	मकर
मघा	मघा
मछली	मत्स्य
मज्जा	मज्जा
मट्ठा	मस्तु
मणा	मना
मणिया	मणि
मती	मति
मथाणी	मन्था । उपमन्थी
मद	मद्य
मदर	मद्र
मधाणी	मन्था
मधु परक	मधुपर्क
मन	मनस्
मनु	मनु
मनुस लोक	मनुष्य लोक
मरकट	मर्कट
मरजाद	मर्यादा
मरम	मर्मन्
मल़	मल
मल़मास	मलिम्लुच्

मलेछ	म्लेच्छ	मूँढा	मूर्धा
मल्ला-मल्ली	मलिम्लु	मुट्ठी	मुष्टि
मसाण	मस्तना	मूण	मणिक
मसूर	मसूय	मूत	मूत्र
मसूर	माष, मसूर	मूस्सल़	मुसल
मस्तक	मस्तक	मूस्सा	मूस
महतारी	मातृ	मेंह	मिह्
महानगनी	महा नग्नि	मेध	मेघ
महादे	महादेव	मैना	मेनका
महरसी	महर्षि	मैंन्ना	मेना
महाराज	महाराज	मोंत	मृत्यु
माँक्खी	मक्षिका	मोक्ष	मोक्ष
माँट्टी	मृत्तिका, मृद	मोर	मयूर
माँम्मा	मातुल	मोह	मोह
माँस	मास	रंगरेजणी	रजयित्री
माच्छर	मशक	रण	रण
माणस	मनुष्य	रथ	रथ
मात्था	मस्तक	रथोंड्डी	नृति
माया	माया	रस	रस
माल़ा	माल्य	रा (राम-रा)	ह्रद
मावस	अमावस्या	राकस	राक्षस
मास	मास	राज	राज्य
माह	माघ	राज्जा	राजन्
मित्तर	मित्र	राबड़ी	यवागू
मिरग	मृग	राम्माँ	रामा
मींडक	मण्डूक	राल़	कीलाल
मुनी	मुनि	राल़ा	कीलाल
मुहरत	मुहूर्तं	रास	राशि
मींड्ढा	मेष	रास	राशना
मींह	मिह्	राहू	राहु
मूँग	मुद्ग	रिगबेद	ऋग्वेद
मूँछ	श्मश्रू	रिण	ऋण
मंज	मुंज	रितु	ऋतु

रिसी	ऋषि
रीछ	ऋक्ष
रीटड़ा	रोहितक
रुद्दर	रुद्र
रुधिर	रुधिर
रूँग	लोमन
रूम	रोमन
रेत्ती	रेणु
रोग	रोग
रोला	रव
रोहणी	रोहिणी
लक्खण	लक्षण
लाख	लाक्षा
लाट	कीलाल
लाट्टा	कीलाल
लाट्ठी	यष्टि
लामणी	लवन
लिछमी	लक्ष्मी
लीलकण्ठ	नीलग्रीव
लेट	केवट
लेटडा	केवट
लोक	लोक
लोथ	लोष्ठ
लोब्राँ	लोपाश
विमाण	यान
संकलप	संकल्प
संकर	शङ्कर
संख	शङ्ख
संगराम	संग्राम
संबंधो	स-बन्धु
सकुंतला	शकुन्तला
सकेल	शल्य
सखी	सखि

सण	शण
सणी	शण
सत	सत्य
सतरु	शत्रु
सत्तू	सक्तू
सपना	स्वप्न
सभा	सभा
सभापती	सभापति
समंदर	समुद्र
समर	समर
समराज	साम्राज्य
समसान	श्मशान
समसीर	समीक
समा (सुकाल)	समा
सम्मत	संवत्सर
सर	शर
सर	शरु
सरजू	सरयू
सरदी	शरद
सरधा	श्रद्धा
सरवा	अश्ववार
सरस	शमी
सराप	शाप
सरीर	शरीर
सरेस	श्लेष्मन
सरोप्पा	स्रव
सरोल	अश्ववार
सवान	श्वन्
साँच	सत्य
साँझ	साय
साँट्टा	अष्ट्रा, आष्ट्रा
साँड्डिल	शाण्डिल्य
साँड्डा	श्याण्डक

साँप	सर्प
साँप विद्या	सर्प विद्या
साँवला	श्याम
साख	शाख
साड़ा	परि-स्रुत
साढ़	आषाढ़
साण	क्षणोत्र
साफ्फा	उष्णीष
साम्मक	श्यामक
साम्मण	श्रावण
सारथी	सारथि
साल़	शाला
साल़ा	स्याल
सास्सू	श्वश्रू
सिंघ	सिंह
सिंडास्सी	सृणी
सिंधू	सिन्धु
सिंध्या	सैन्धव
सिखर	शिखर
सिखा	शिखा
सिर	शिरस्
सिरगाल	सृगाल
सिरस	शमी
सिरसम	सर्षप
सिरहाणा	शीर्षण्य
सिलम	शम्या
सिल़ाई	शलली
सिलोक	श्लोक
सिवाल़	शेवल, शीपाल
सिहारी	आहनस्या
सींग	शृंग
सीत	पयस्या

सीत्ता	सीता
सीस्सम	शिंशपा
सीस्सा	सीस
सुग्गा	शुक
सुभदरा	सु-भद्रा
सुर	स्वर
सुरग	स्वर्ग
सुरस्ती	सरस्वती
सुराज	स्वराज
सुसरा	श्वसुर
सुस्सा	शश
सूत	सूत्र
सूद्दर	शूद्र
सूर	शूर
सूर	सूकर
सूरज	सूर्य
सूल़	शूल
सेमर	शल्मलि
सेल	शम्या, शल्या
सेल्ला	शालि
सेह	श्वा-विध्
सैन्ना	सेना
सोक	सपत्नी
सोट	तोत्त्र
सोट्टा	तोत्त्र
सोत	स-पत्नी
सोत	उत्स
सोन चिड़ि	शकुनी
सोपल़ी	शामूल
स्यामबेद	सामवेद
स्याहरी	आहनस्या, अतिष्कद्वरी

हंस	हंस
हड्डी	अस्थि
हरिचन्द	हरिश्चन्द्र
हल़	लाङ्गल
हँसोकड़ी	हस्रा
हाण	अह्न, अपराह्न
हारा	अग्निशाला
हिरण	हिरण
हिरणाकुस	हिरण्य कशिपु
हिरदा	हृदय
हेमत	हेमन्त
हेल्ला	हेल
हेल्लो	हर्म्य

* * *

वैदिक तथा हरयाणवी भाषा में उच्चारणभेद

हरयाणवी भाषा में वैदिक काल के अनेकश: शब्द यथावत् मिलते हैं। कुछ शब्दों में सहस्रों वर्षों के कालान्तर के कारण उच्चारण की दृष्टि से अनेक भेद भी उत्पन्न हो गए हैं। एक शब्द के ही विभिन्न अक्षरों में कई उच्चारण भेद मिलते हैं। नीचे इन्ही संभावित उच्चारण भेदों को अकारादि क्रम से भेद-उपभेदों के साथ दिया जाता है। इस सामग्री के आधार पर ध्वनि विज्ञानी उच्चारण भेदों के सूत्रों की स्थापना कर सकते हैं। यहाँ लेखक ने अपनी सम्मति के अनुसार इन भेद उपभेदों को सुझाया है। पहले स्वर संबंधी उच्चारण भेद दिए गए हैं और फिर व्यंजन संवंधी।

स्वर संवंधी उच्चारण भेद

	वैदिक	हरयाणवी
१. अ		
१.१ अ को आ	अक्षर	आखर
१.२ अ को ई	अजगर	ईजगर
१.३ अ को उ	अपालम्ब	उलाल़वा (टेक)
१.४ अ आगम	पद्म	पदम
१.५ अ का लोप	अमावस्या	मावस
१.२ आ		
१.२.१. आ का लोप	आषाढ़	साढ़
	धारा	धार
१.३. इ		
१.३.१ इ को ई		
	इध्म	इंधण
	मिह्	मींह
१.३.२ इ आगम	श्लोक	सिलोक
	स्त्री	इस्तरी
१.३.३ इ का लोप	पंडित	पंडत
	वणिज्	वणज

१.४ ई		
१.४.१ ई मात्रा विपर्यय	करीष	करसी
१.५ उ		
१.५.१ उ को ऊ	मुसल	मूस्सल्
	राहु	राहू
१.५.२ उ आगम	शश	सुस्सा
	सरस्वती	सुरस्ती
१.५.३ उ को लोप	उच्छीर्षक	छींक्का
१.५.४ उ विपर्यय	परुष	पुरस (नाप विशेष)
	श्वसुर	सुसरा
१.६ ऋ		
१.६.१ ऋ को ई	भ्रातृ	भाई
	शृंग	सींग
१.६.२ ऋ को ड	पोतृ	पोतड़ा (वस्त्र विशेष)
१.६.३ ऋ को र	अनृत	अनरथ
	देवृ	देवर
१.६.४ ऋ को री	ऋक्ष	रींछ
१.७ ए		
१.७.१ ए को अ	एरण्ड	अरंड
१.७.२ ए को ई	मेष	मींड्ढा
१.८ ऐ		
१.८.१ ऐ को इ	सैंधव	सिंग्ध्या (नूण)
१.९ ओ		
१.९.१ ओ को ई	गोधूम	गीहूँ
१.१० औ		
१.१०.१ औ को आ	नौ	ना (नाव)
१.१०.२ औ को उ	कौलाल	कुलाल

व्यंजन संबंधी उच्चारण भेद

२.१ क

वैदिक शब्दों में प्रयुक्त 'क' की ध्वनि 'ख' 'ग' आदि में परिवर्तित हुई है। कहीं-कहीं इस ध्वनि का द्वित्व हुआ है तो कहीं लोप भी। दूसरी ओर 'श' (२.३०.१), 'ष' (२.३१.१) की ध्वनि 'क' में बदली है।

२.१.१ क को ख	अर्क	आख
	क्रसर	खीचड़ी
२.१.२. क को ग	कुटरू	गुटरू
	शुक	सुग्गा
२.१.३ क का द्वित्व	वकल	बक्कल
२.१.४. क का लोप	सक्तू	सत्तू
	सूकर	सूर

२.२. क्ष

'क्ष', क् तथा ष के योग से बना संयुक्त व्यञ्जन है। इसकी ध्वनि कहीं 'ख' तो कहीं 'छ' में परिवर्तित हुई है।

२.२.१ क्ष को ख	ईक्षु	ईख
	लक्षण	लक्खण
२.२.२. क्ष को छ	नक्षत्र	नछत्तर
	क्षमा	छमाँ

२.३ ख

कहीं-कहीं 'ख' की ध्वनि 'ह' में बदली है। दूसरी ओर 'क' (२.१.१.) 'ग' (२. ४. १) 'ष' (२.३१.१) की ध्वनियां 'ख' में भी बदली हैं।

२.३.१ ख को ह	नख	नूंह

२.४ ग

'ग' की ध्वनि 'ख' 'घ' और 'ड़' में बदली है। दूसरी ओर 'क' (२.१.२) 'द' (२. १८. १) की ध्वनि 'ग' में परिवर्तित हुई हैं।

२.४.१. ग को ख	गृष्टि	खारकी
२.४,२. ग को घ	ग्रीवा	घेट्टी
२.४.३. ग को ड़	सेलग	छैलड़
	यवागू	राबड़ी

२.५ घ

घ' ध्वनि कहीं 'ह' में बदल गई है, कहीं पर 'ग' (२.४.२) और 'घ' (२.१६.१) की ध्वनि 'घ' में परिवर्तित हुई है।

२.५.१. घ को ह	माघ	माह

२.६ च

'च' के उच्चारण में कई प्रकार के भेद हुए हैं। एक ओर 'च' का उच्चारण 'स' में परिवर्तित हुआ तथा दूसरी ओर 'त' (२.१५.१) तथा 'श' (२.३०.२) 'च' में परिवर्तित हुए हैं।

२.६.१. च को स	चषाल	सुहाल् (सुहाली)

२.७ छ

'छ' का उच्चारण स्थिर दीख पड़ता है। दूसरी 'क्ष' (२.२.२) 'त' (२.१५.२) श' (२.३०.३) तथा 'स' (२.३२.२) की ध्वनियाँ कहीं-कहीं 'छ' में परिवर्तित हुई हैं।

२.८ ज

'ज' का उच्चारण स्थिर दीख पड़ता है। दूसरी ओर 'त' (२.१५.३) 'य' (२.२६.२) 'व' (२.२६.३) तथा 'ष' (२.३१.३) की ध्वनियाँ कहीं-कहीं 'ज' में बदल गई हैं।

२.९. झ

'झ' की ध्वनि स्थिर दीख पड़ती है। दूसरी ओर 'ध' (२.१९.२) तथा 'य' (२.२६.३) की ध्वनियाँ कहीं-कहीं 'झ' में बदल गई हैं।

२.१० ट

'ट' की ध्वनि 'ठ' तथा 'र' में परिवर्तित हुई है। दूसरी ओर 'त' (२.१५.४) 'द' (२.१८.२) 'स' (२.३२.४) की ध्वनियाँ भी कहीं पर 'ट' में परिवर्तित हुई हैं।

२.१०.१ ट को ठ	मुष्टि	मूट्ठी
२.१०.२ ट को र	कीकट	कीक्कर

२.११ ठ

'ठ' की ध्वनि कहीं-कहीं 'थ' में परिवर्तित हुई है। कहीं-कहीं 'त' (२.१५.५) की ध्वनि 'ठ' में परिवर्तित हुई है।

२.११.१ ठ को थ	लोष्ठ	लोथ

२.१२ ड/ड़

'ड' की ध्वनि 'ड़' तथा 'र' में बदली हैं। कहीं-कहीं 'ऋ' (१.७.२) 'ग' (२.४.३) 'त' (२.१५.६) 'थ' (२.१७.१) 'द' (२.१८.३) 'ध' (२.१९.२) 'प' (२.२१.१) 'र' (२.२७.२) 'श' (२.३०.४) 'ष' (२.३१.४) तथा 'स' (२.३२.५.) की ध्वनियां भी 'ड' तथा 'ड़' में परिवर्तित हुई दीख पढ़ती है।

२.१२.१ ड को ड़	नाडी	नाड़ी
२. १२.२ ड को र	नड	नरसल

२.१३. ढ

'ढ' का उच्चारण लगभग स्थिर है कहीं-कहीं 'ध' (२. १९.४) तथा 'ष' (२.३१.५.) की ध्वनियां 'ढ' में बदली हैं।

२.१४ ण

कहीं 'ण' को 'न' हो गया है। कहीं पर 'ण' की ध्वनि 'म' में परिवर्तित हुई है। कहीं कहीं 'न' (२.२०.२) की ध्वनि 'ण' में बदली है।

२.१४.१ ण को न	द्रोण	डोन्ना
२.१४.२ ण को म	तूणव	तूम्बा

२.१५ त

'त' की ध्वनि 'च', 'छ', 'ज', 'ट', 'ठ', 'ड', 'थ', 'द' आदि में परिवर्तित हुई है। कहीं-कहीं 'त' का लोप भी हुआ है। दूसरी ओर 'द' (२.१८.४) की ध्वनि 'त' में बदली दीख पड़ती है।

२.१५.१ त को च	नृत्त	नांच

२.१५.२ त को छ	पातल्य	पछेल्ला
	वत्स	बाछड़ा
२.१५.३ त को ज	तन्ति	जतणी
२.१५.४ त को ट	तोत्त्र	ट्योंट
	मृत्तिका	माट्टी
	वर्तिका	बटेर
२.१५.५ त को ठ	मस्तु	मट्ठा
	रोहितक	रीठड़ा
२.१५.६ त को ड़/ड	अन्त्र	आँतड़ी
	गर्त	गाड्डी
२.१५.७ त को थ	अनृत	अनरथ
२.१५.८ त को द	यातु	जाद्दू

२.१६ त्र

'त्र' की ध्वनि तर में परिवर्तित हुई है।

२.१६.१ त को तर	नक्षत्र	नछत्तर

२.१७ थ

कहीं पर 'थ' की ध्वनि 'ड' तथा कहीं 'ड़' में बदल गई है। कहीं-कहीं 'ठ' की ध्वनि 'थ' (२.११.१) में बदल गई है।

२.१७.१ थ को ड	अस्थि	हड्डी
	पृथ	पैड़ (लंबाई विशेष)

२.१८ द

कहीं पर 'द' की ध्वनि 'ग', 'ट', 'ड', 'ढ', 'त', 'ध', 'ब' आदि में बदल गई है। कहीं-कहीं इस ध्वनि का लोप भी हुआ है। 'द' को द्वित्व होने के भी उदाहरण मिलते है। दूसरी ओर 'त' (२.१५.८) की ध्वनि भी 'द' में परिवर्तित हुई है।

२.१८.१ द को ग	उदुम्बर	गूल्लर
२.१८.२ द को ट	उद्धि	ऊटड़ा
	निपाद	पाट्टे

२.१८.३ द को ड	दर्व	डाभ
	दर्वि	डोहरी
	द्रु	डोऊ
२.१८.४ द को त	पलद	पलीता
२.१८.५ द को ध	दोहितृ	धेवती
	वद	बिध (पशु के पैर का फोड़ा)
२.१८.६ द को ब	ककुद	कूब
२.१८.७ द को द्वित्व	रुद्र	रुद्दर
२.१८.८ द का लोप	मुद्ग	मूंग
	युद्ध	युध

२.१९ ध

'ध' की ध्वनि 'घ', 'झ', 'ड', 'ढ' और 'ह' में बदली है। दूसरी ओर 'द' (२.१८.५) की ध्वनि कहीं-कहीं 'ध' में परिवर्तित हुई है।

२.१९.१ ध को घ	अश्वमेध	अस्वमेघ
२.१९.२ ध को झ	धीवर	झीमर
२.१९.३ ध को ड	कर्कन्धु	काकड़ा (वेर)
२.१९.४ ध को ढ	धेनुष्टरी	ढांड्ढी (दूध से सूखी गाय)
२.१९.५ ध को ह	गोधूम	गीहूं
	दधि	दही
	वधू	बहू

२.२० न

कहीं पर 'न' की ध्वनि 'क', 'ण', 'ल' आदि में बदल गई है। कहीं-कहीं 'न' ध्वनि का लोप भी हुआ है। कहीं पर 'र' (२.२७.३) की ध्वनि 'न' में बदल गई है।

२.२०.१ न को क	नीहार	कोहड़ा
२.२०.२ न को ण	धाना	धाणी
	ननान्दृ	नणद

२.२०.३ न को ल	नीलग्रीव	लीलकंठ
२.२०.४ न का लोप	नपात	पोत्ता
	निपाद	पाट्टे

२.२१ प

कहीं पर 'प' की ध्वनि 'ड', 'फ', 'ब', 'व' में बदल गई है। कहीं 'प' की ध्वनि का लोप हुआ है। कहीं-कहीं 'भ' (२.२४.१) की ध्वनि 'प' में बदल गई है।

२.२१.१ प को ड	अपूप	पूड़ा
२.२१.२. प को फ	अप्वा	अफारा
	परशु	फरसा
	पूल्य	फूल्ली
२. २१.३ प को ब	पष्ठौही	बहड़ी
	लोपाश	लोब्बाँ
	वपा	बंबी
२.२१.४ प को व	शिपाल	शिवाल्

२.२२ फ

कहीं-कहीं 'ह' का उच्चारण 'फ' (२.३३.१) में बदल गया है।

२. २३. ब

कहीं-कहीं 'ब' की ध्वनि 'भ' बदल गई है। कहीं पर 'द' (२.१८.६) 'प' (२.२१.३) 'भ' (२.२४.२) 'व' (२.२९.४) की ध्वनियाँ 'ब' में परिवर्तित हुई हैं।

२.२३.१ ब को भ	बृहस्पति	भिरस्पत

२.२४. भ

'भ' का उच्चारण 'प', 'ब' आदि में परिवर्तित हुआ है।

२.२४.१ भ को प	नाभि	नाप
२.२४.२ भ को ब	अभ्र	अबर
	भुरिज	बुरज

२.२५ म

कहीं पर 'म' की ध्वनि के द्वित्व होने के उदाहरण मिलते हैं।

२.२५.१ म का द्वित्व	घूम	घूम्माँ

२.२६ य

'य' की ध्वनि कहीं-कहीं 'आ', 'ज', 'झ', 'र', 'ल' आदि में परिवर्तित हुई है। कहीं-कहीं 'य' ध्वनि का आगम हुआ है, कहीं लोप।

२.२६.१ य को आ	हृदय	हिरदा
२.२६.२ य को ज	यजमान	जजमान
२.२६.२.१ शब्द के आदि में	यम	जम
२.२६.२.२ शब्द के मध्य में	मर्यादा	मरजाद
२.२६.२.३ शब्द के अन्त में	जरायु	जेरज
	सरयू	सरजू
२.२६.३. य को झ	यूथ	झत्था
२.२६.४ य को र	यवागू	रावड़ी
२.२६.५ य को ल	यष्टि	लाट्ठी
२.२६.६ य आगम	नकुल	न्योल्
२.२६.७ य का लोप	न्याय	न्या
	मद्य	मद
	सत्य	सत्

२.२७. र

कहीं-कहीं 'र' की ध्वनि 'ड', 'ड़', 'न', 'ल' आदि में परिवर्तित हुई है। अनेक स्थानों पर 'र' की ध्वनि का लोप भी हुआ है। दूसरी ओर 'ऋ' (१.७.३) 'ट' (२.१०.२) 'ड' (२.१२.२) 'ल' (२.२८.२) 'व' (२.२९.६) की ध्वनियाँ भी 'र' में परिवर्तित हुई है।

२.२७.१ र को ड	गारा	गरंड
२.२७.२ र को ड़	अगार	अगड़ (बगड़)
	कृसर	खीचड़ी
	प्रपौत्र	पड़पोत्ता
	वत्सतरी	बाछड़ी

२.२७.३ र को न	रज्जू	नेज्जू
२.२७.४ र को ल	अङ्गुरी	आँगल़ी
	कुरुक्षेत्र	कुलछेत्तर
२.२७.५ र को लोप	पर्शु	पाँस्सू
	श्रावण	साम्मन

२.२८ ल

'ल' की ध्वनि 'न', 'र' 'ल़' आदि में परिवर्तित हुई है। दूसरी ओर कहीं 'य' (२.२६.५) और 'र' (२.२७.४) की ध्वनियाँ 'ल' में बदली हैं।

२.२८.१ ल को न	लवण	नूण
२.२८.२ ल को र	पलाल	परल़
२.२८.३ ल को ल़	फल	फल़

२.२९. व

कहीं-कहीं 'व' का उच्चारण 'उ', 'ओ', 'ज', 'ब', 'म', 'र' आदि में परिवर्तित हुआ है। कहीं पर 'व' का लोप भी हुआ है।

२.२९.१. व को उ	स्वर्ग	सुरग
२.२९.२ व को ओ	यव	जो (जौ)
२.२९.३. व को ज	ताबुव	तावीज
२.२९.४ व को ब		
२.२९.४.१ शब्द के आदि में	वंश	बंस
	वध्री	बधिया
२.२९.४.२ शब्द के मध्य में	द्वार	बार
	वव्री	बबरी
२.२९.५ व को म	श्रावण	साम्मण
	संवत	सम्मत
२.२९.६ व को र	अप्वा	अफारा
२.२९.७. व क लोप	दाव	दा

२.३०. श

कहीं-कहीं 'श' की ध्वनि 'क', 'च' 'छ' 'ड', 'स', 'ह' आदि में परिवर्तित हुई है। कहीं-कहीं इसका लोप भी हुआ है।

२.३०.१ श को क	दंश	डंक
२.३०.२.श को च	शेषस्	चेह्वड़ा
२.३०.३ श को छ	कश्यप	कच्छप
	शल्य	छाल्लण (बालण)
२.३०.४ श को ड	कशा	कोड़ा
२.३०.५ श को स	शंकर	संकर
	शण	सण
	शिशपा	सीसम
२.३०.६. श को ह	पस	बहू (जनेंद्री)
	शाला	हारा
२.३०.७ श का लोप	लोपाश	लोब्बां

२.३१. ष

कहीं पर 'ष' मा उच्चारण 'क,' 'ख', 'ज', 'ड', 'ढ', 'ह' आदि ध्वनि में परिवर्तित हुआ है। कहीं-कहीं इस ध्वनि का लोप भी हुआ है।

२.३१.१ ष को क	जष	झक
२.३१.२ ष को ख	ईर्ष्या	ईरखा
२.३१.३ ष को ज	दिधीषु	दुहेज्जू
२.३१.४ ष को ड	कर्षु	खूड
२.३१.५ ष को ढ	मेष	मींड्ढा
	चषाल	सुहाल्
२.३१.६ ष को ह	शेषस	चेह्वड़ा
२.३१.७ ष का लोप	मुष्टि	मूट्ठी

२.३२ स

कहीं पर 'स' की ध्वनि 'च', 'छ', 'ज', 'ट' 'ड', 'ह' आदि मे परिवर्तित हुई है। दूसरी ओर 'श' (२.३०.५) की ध्वनि 'स' में परिवर्तित हुई है।

२.३२.१ स को च	कृसर	खीचड़ी
२.३२.२ स को छ	पयस्या	छाः (सीत)
	वत्सतरी	बाछड़ी
	सेलग	छैलड़

२.३२.३ स को ज	स्वसृ	जीज्जी
२.३२.४ स को ट	कृकलास	किरल् काँट
२.३२.५ स को ड	वत्स	बाछड़ा
	शेपस्	चेहवड़ा
२.३२.६ स को ह	अस्थि	हड्डी
	सीर	हल
२.३२.७ स का लोप	वैंतस	बेंत
	स्कंध	काँध

२.३३. ह

'ह' की ध्वनि कहीं-कहीं 'फ' में परिवर्तित हुई है। कहीं-कहीं इसका आगम हुआ है। कही पर घ (२.५.१) ध (२.१९.५) श (२.३०.६) ष (२.३१.६) की ध्वनियाँ 'ह' में बदल गई हैं।

२.३३.१ ह को फ	गुहा	गुफा
२.३३.२ ह् या विसर्ग आगम	कुरीर	खुरैःरा

* * *

सम्मति

कोश सुबोध होता है। सभी भाषाओं में कोश रचना की दिशा में पर्याप्त प्रयास किए गए हैं। वैदिक संस्कृत के समान लौकिक संस्कृत में भी अनेक शब्दकोशों की रचना की जाती रही है। आज न केवल साहित्यिक भाषाओं के अपितु प्रादेशिक भाषाओं के कोशों का भी निर्माण चल रहा है। मेरे परम प्रिय मित्र डा० जयनारायण कौशिक ने एक सुविस्तृत शब्दकोश हरियाणवी भाषा का बनाया है जिसमें हरियाणवी भाषा के मूल शब्दों का हिन्दी भाषा में अर्थ दिखाया गया है। इसके साथ ही डा० कौशिक ने इस वैदिक हरयाणवी कोश की रचना की है। इसमें हरियाणवी के शब्दों का मूल वैदिक संस्कृत को दिखाने का सराहनीय प्रयत्न किया गया है जो हरियाणा प्रदेश की वैदिकता और हरियाणा प्रदेश में वैदिक संस्कृति की प्रतिष्ठा का पोषक है।

अमीरचन्द्र शास्त्री
साहित्याचार्य
(राष्ट्रपति सम्मानित आचार्य)
भूतपूर्व रीडर एवं उपप्राचार्य
श्री लाल बहादुर शास्त्री केन्द्रीय
संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली

लेखक-परिचय

जन्म 4 नवम्बर 1935, सरस्वती के तट पर स्थित, जहाँगीरपुर (रोहतक) हरियाणा में।

पिता पं० रामस्वरूप मिश्र संस्कृत के विद्वान् अध्यापक और क्षेत्र में धर्म—संस्कृति के प्रचारक।

माता द्राक्षा देवी साध्वी प्रकृति की महिला, जिनके वैकुंठवास के समय आप 7 वर्ष के थे।

चौथी कक्षा तक की पढ़ाई अपने गाँव मे। हाई स्कूल की परीक्षा बादली (गुलियान) रोहतक से।

25 वर्ष की आयु में विवाह।

अल्पायु में शिक्षण व्यवसाय। आर्थिक कठिनाइयों के कारण अध्यापन के साथ-साथ एम०ए० (हिन्दी, अंग्रेजी), जे०डी०, एम०एड०, पी-एच०डी० (शिक्षा-कुरुक्षेत्र) की शिक्षा।

कर्मठता और साहित्यिक तथा शैक्षिक सेवाओं के कारण दिल्ली राज्य, केन्द्र सरकार तथा अन्य राष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा सम्मानित। शोध पत्रों पर पाँच बार टीचर एड्यूकेटर का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त। प्रकाशित पुस्तकें—1. Basic Hindi Vocabulary 2. हरयाणवी प्रत्यय कोश 3. हिंदी हरयाणवी उच्चारण भेद 4. श्रुतलेख शब्दावली 5. माटी का मोल (भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत उपन्यास) 6. Consolidated Basic Hindi Vocabulary (Co-Author with Prof. Uday Shanker) 7. हरियाणवी हिन्दी शब्दकोश हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा (शीघ्र प्रकाशित) 8. हरयाणवी संस्कृत कोश (शीघ्र प्रकाशित) 9. अन्य पुरस्कृत शोध लेख, आकाशवाणी दिल्ली से अनेक कहानियाँ प्रसारित।

सन् 1956 से 1966 तक मँजे पत्रकार के रूप में साप्ताहिक सेवाग्राम, दरियागंज दिल्ली में अग्रलेख, कहानियाँ, स्थायी स्तंभ, उपन्यास आदि प्रकाशित।

दिल्ली के राजकीय शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान में गत अनेक